

खबर संक्षेप

ट्रेन में महिला से छेड़छाड़ टीटीई गिरफ्तार

पलवकड़। पलवकड़ के शोरानूर के पास ट्रेन में महिला यात्री से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप में टिकट निरीक्षक (टीटीई) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान कोल्लम के कडक्कल निवासी शिजू के रूप में हुई है। वह रेलवे के तिरुवनंतपुरम मंडल से जुड़ा है।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में 4 लोग गिरफ्तार

कोझिकोड। केरलम के पेराम्बा में एक महिला से कथित सामूहिक दुष्कर्म में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पेराम्बा पुलिस थाने ने बताया कि महिला आरोपियों में से एक की रिश्तेदार है। आरोप है कि उसे मादक पदार्थ दिए गए और लॉज तथा घरों समेत अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर उसका यौन उत्पीड़न किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान दौरा पड़ने से पायलट की मौत नई दिल्ली। एयर इंडिया के एक पायलट का दिल्ली में प्रशिक्षण के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह घटना दिल्ली के एक होटल में हुई, जहां वे लेओवर आराम पर थे। एयर इंडिया ने कॉकपिट क्रू सदस्य के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। पायलट को शुक्रवार शाम होटल में अचेत पाया गया था।

नड्डा और नायडू ने आंध्र प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का किया उद्घाटन

स्वास्थ्य प्रणालियों के बुनियादी ढांचे को मिलेगी मजबूती और लोगों को मिलेगा ज्यादा फायदा

एजेसी ►► विजयवाड़ा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने राज्यभर में 249 करोड़ की लागत से स्थापित 10 गहन चिकित्सा खंडों और 12 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) का शनिवार को उद्घाटन किया। गहन चिकित्सा खंडों में कुल 500 बिस्तर हैं और इनमें अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर के साथ-साथ अल्ट्रासाउंड, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और न्यूरोसर्जरी की सुविधाएं भी मौजूद हैं। उद्घाटन के बाद विजयवाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि यह स्वास्थ्य प्रणालियों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है। हमने 12 जगहों पर आईपीएचएल और 10 स्थानों पर गहन चिकित्सा खंड का उद्घाटन किया है। नड्डा ने 2020 में आई कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य प्रणाली और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत को समझा।

विजयवाड़ा में 10 गहन चिकित्सा खंडों ,12 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य लैब का लोकार्पण किया



आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए 1,271 करोड़ दिए

उन्होंने कहा कि 2021 में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसरंचना मिशन शुरू किया गया। सरकार ने अगले 5 वर्षों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए 64,180 करोड़ खर्च करने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य महामारी और आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली को तैयार करना है। नड्डा ने कहा कि 23 गहन चिकित्सा खंड, 26 आईपीएचएल और 45 आयुष्मान आरोग्य शहरी मंदिर, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए 1,271 करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की गई है।

गहन चिकित्सा खंड में सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी

उन्होंने कहा कि गहन चिकित्सा खंड में आपातकालीन सेवाएं, आईसीयू, पृथक वार्ड, बड़े और छोटे ऑपरेशन थिएटर तथा बच्चों के इलाज की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अमरावती क्वांटम बायो वैली को राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाने के नायडू के अनुरोध पर नड्डा ने केंद्र के सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक तकनीकी दल राज्य की नई राजधानी में भेजा जाएगा।

‘संजीवनी परियोजना’ राज्य में शुरू होगी: नायडू

नायडू ने कहा कि राजग सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कई सुधार किए हैं और कई देशों को कोविड- के टीके उपलब्ध कराए हैं। देश में मेडिकल सीट की संख्या 51 हजार से अधिक बढ़कर दोगुनी से ज्यादा हो गई है और मंगलागिरि में एम्स को बेहतर तरीके से विकसित किया जा रहा है। नायडू ने कहा कि स्वास्थ्य रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण से जुड़ी ‘संजीवनी

परियोजना’ जल्द पूरे राज्य में शुरू की जाएगी और यह एक बड़ा बदलाव लाएगी। इससे पहले नड्डा और नायडू ने विजयवाड़ा के पुराने सरकारी अस्पताल में एक गहन चिकित्सा खंड और आईपीएचएल का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। बाद में दोनों नेताओं ने इन नई सुविधाओं का दौरा किया जहां अधिकारियों ने उन्हें इनकी विशेषताओं की जानकारी दी।

मेडिकल छात्रों के लिए बड़ी खबर

देशभर में एमबीबीएस की 13,186 सीटें बढ़ीं, कुल संख्या 1.40 लाख के पार

मेडिकल कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इस बीच राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने संशोधित सीट मैट्रिक्स जारी कर दी है। अब देश में एम्स जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों को छोड़कर एमबीबीएस की 1,40,214 सीटें हो गई हैं। इनमें 61,185 सरकारी सीटों में 2,786 की वृद्धि हुई है। निजी मेडिकल कॉलेजों की 65,843 सीटों में 10,400 सीटें बढ़ी हैं।

कर्नाटक में सर्वाधिक 1,650 वृद्धि उसके बाद तमिलनाडु में

देश में सबसे ज्यादा एमबीबीएस सीटें कर्नाटक में बढ़ाई गई हैं। यहां 1,650 नई सीटें जोड़ी गई हैं। तमिलनाडु में 1,250 और बिहार में 1,240 सीटें बढ़ी हैं। कर्नाटक में एमबीबीएस की कुल 15,745 सीटें हो गई हैं। तमिलनाडु में 14,299 हो गई है।

राजस्थान और तेलंगाना में भी 1,000 से ज्यादा सीटें बढ़ीं

राजस्थान में एमबीबीएस की 1,100 नई सीटें जोड़ी गई हैं। यहां 8,280 सीटें हो गई हैं। तेलंगाना में 1,010 सीटें बढ़ी हैं। बंगाल में 975, छग में 645, महाराष्ट्र में 550 और आंध्र में 525 सीटें हैं।

झारखंड और मध्य प्रदेश में 520-520 सीटें बढ़ीं

झारखंड और मध्य प्रदेश में 520-520 सीटें बढ़ाई गई हैं। हरियाणा में 350, केरल में 300 और गुजरात में 250 सीटों का इजाफा हुआ है।

विजय के खिलाफ द्रमुक का प्रदर्शन



अपमानजनक बयान पर सड़क पर उतरी, एक दिन होगा हिसाब

एजेसी ►► चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल द्रमुक ने दिवंगत पार्टी नेता एम. करुणानिधि और पार्टी अध्यक्ष एम. के. स्टालिन के खिलाफ मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की कथित अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए शनिवार को राज्यभर में प्रदर्शन किया। नेतृत्व कर रहे पार्टी के वरिष्ठ नेता पीके शेखर बाबू ने स्टालिन की ‘कुर्बानियों, व्यक्तित्व और मानवीय संवेदनाओं’ की प्रशंसा की और उन्हें नैतिकता एवं मूल्यों का पालन करने वाला ‘मिस्टर क्लीन’ बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे बेदाग नेता को टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार ने विधानसभा में निशाना बनाया। द्रमुक ने कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार के उस दावे पर भी आपत्ति जताई जो आपातकाल के दौरान स्टालिन के जेल में रहने से संबंधित है। बाबू ने पूर्व द्रमुक सरकारों के दौरान कथित भ्रष्टाचार को लेकर विजय के आरोपों को खारिज किया।

विपक्षी नेता को नहीं बोलने दिया

उन्होंने कहा कि द्रमुक ने सदन में इसका विरोध किया और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को आरोपों का जवाब देने की अनुमति नहीं दी गई। द्रमुक घायल बाघ है जो मैदान में डटा हुआ है और एक दिन हर बात का उसी अंदाज में जवाब देगा। विजय ने विधानसभा में द्रमुक पर तीखा हमला करते हुए उसकी पूर्व सरकारों के दौरान ‘गंभीर और संगठित भ्रष्टाचार’ के आरोप लगाए थे।

डीएमके ने खुद को घायल शेर बताया...

उन्होंने दावा किया कि सदन में डीएमके ने इस पर आपत्ति जताई और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को आरोपों का जवाब देने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने आगे कहा कि डीएमके एक घायल शेर की तरह मैदान में डटी हुई है। एक दिन इसका पूरा हिसाब-किताब बराबर किया जाएगा। डीएमके ने कुछ दिन पहले कहा था कि विधानसभा में विजय का ‘भाषण कड़ी निंदा के लायक है क्योंकि इसमें पार्टी, 5 बार मुख्यमंत्री रहे करुणानिधि, दिवंगत केंद्रीय मंत्री मुरासोली मारन और पार्टी प्रमुख स्टालिन के त्याग का मजाक उड़ाया गया था।

सोनितपुर में कार-ट्रक की टक्कर, 5 की मौत

तेजपुर। असम के सोनितपुर जिले में शनिवार को कार और ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा रंगापारा थाना क्षेत्र के बालीपारा में एक पेट्रोल पंप के पास तब हुआ जब सामने से आ रहे ट्रक से कार की टक्कर हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में मारे गए सभी लोग कार में सवार थे।



आत्मविश्वास का साथ आत्मनिर्भरता की राह



**अब तक
लाइली बहनों को
₹65,300 करोड़+
की सहायता का अंतरण**





1.25 करोड़+ लाइली बहनों को ₹1835 करोड़+ का अंतरण

**मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा**

**विकास कार्यों का
भूमिपूजन एवं लोकार्पण**

13 सितम्बर, 2026 | आगर मालवा, मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण

Webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP

JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11111-26

आकारपन : ज.प्र. माध्यम / 2026



रिटायर्ड जस्टिस विष्णु प्रताप सिंह चौहान होंगे आयोग के प्रमुख

शराब माफिया के अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी, होटल की बाउंड्रीवाल तोड़ी

खबर संक्षेप

स्पाइन सर्जरी के बाद घर लौटे शरत सक्सेना नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता शरत सक्सेना की रीढ़ की हड्डी (लम्बर स्पाइन) की सफल सर्जरी हुई है, जो करीब 6 घंटे तक चली। सर्जरी से पहले खड़े होकर कराए गए एमआरआई की उनकी तस्वीर देखकर फैसला काफी चिंतित थे। अब 76 वर्षीय अभिनेता ने अस्पताल के बेड और घर लौटने के बाद की मुस्कुराती तस्वीरें शेयर कर अपना हेल्थ अपडेट दिया है। उन्होंने बताया बैसाखी के सहारे की जरूरत नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद की हालत हुई नाजुक

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वामी चिन्मयानंद की तबीयत काफी नाजुक बनी हुई है। बढ़ती उम्र और गंभीर बीमारियों के कारण उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। लखनऊ के एक निजी अस्पताल में करीब एक सप्ताह तक इलाज चलने के बाद, अब उन्हें शाहजहांपुर स्थित यमुक्षु आश्रम (दिव्य धाम) लाया गया है। आश्रम प्रबंधन के मुताबिक उनकी स्थिति अभी भी गंभीर है।

पूर्व क्रिकेटर एस. श्रीसंत के पिता का निधन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत के पिता वी. शांतकुमारन नायर का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। रात करीब 10 बजे कोच्चि के लिसी अस्पताल में अंतिम सांस ली। एलआईसी के रिटायर्ड जेनरल मैनेजर रहे शांतकुमारन नायर पिछले कुछ समय से हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित थे और हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराए गए थे। उनके परिवार में पत्नी सावित्रीदेवी, पुत्र श्रीसंत और तीन अन्य बच्चे हैं।

वाई 27 के दो बार पार्षद रह चुके घनश्याम टीकमगढ़ में पूर्व पार्षद की महिलाओं ने की पिटाई, छेड़खानी का लगाया आरोप

परिजनों दावा बताया साजिश

हरिभूमि न्यूज़►►टीकमगढ़ शहर के मामौन दरवाजा मोहल्ले में शनिवार को उस समय भारी हंगामा हो गया, जब महिलाओं के एक समूह ने वार्ड 27 के दो बार पार्षद रह चुके घनश्याम कुशवाहा की जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कोतवाली थाना पुलिस एक्शन में

विशेष प्रतिनिधि►►भोपाल

सागर जिले के बंडा तहसील में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में राज्य सरकार ने एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया है। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस विष्णु प्रताप सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोग इस पूरे मामले की पड़ताल करेगा और सरकार को तीन माह में अपनी जांच रिपोर्ट देगा। आयोग का मुख्यालय सागर रखा गया है। दूसरी तरफ जहरीली शराब कांड के आरोपियों के



बुलडोजर से गेट और बाउंड्री तोड़ी गई

अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी है। शनिवार को एक आरोपी सिद्धार्थ कुशवाहा के होटल की बाउंड्रीवाल तोड़ दी गई। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार एक सदस्यीय जांच आयोग तीन बिंदुओं पर अपनी रिपोर्ट देगा। पहला जांच बिंदु यह होगा कि जहरीली सरकार शराब के सेवन से हुई मृत्यु और अस्वस्थता की घटना का कारण क्या है? उसका स्वरूप और संबंधित परिस्थितियों का परीक्षण तथा तथ्यात्मक निर्धारण कर उसकी जानकारी आयोग देगा।

पाथवे रिजॉर्ट और सत्यम ढाबे का अतिक्रमण तोड़ा

शनिवार को पुलिस और प्रशासन की टीम बहेरिया स्थित शराब कांड के आरोपी सिद्धार्थ कुशवाहा के पाथवे रिजॉर्ट पर पहुंची। जहां अवैध निर्माण को चिह्नित कर जेसीबी से तोड़ा गया। इस दौरान रिजॉर्ट की बाउंड्रीवॉल गिराई गई। साथ ही सत्यम ढाबे पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई में ढाबे के सामने नेशनल हाइवे की जगह पर किया गया अतिक्रमण तोड़ा गया।



पकड़ी गई शराब

शराब की कीमत करीब 30 लाख रुपए

रानीपुरा के जंगल में मिला अंग्रेजी ब्रांडेड शराब का ‘बड़ा जखीरा’

पुलिस ने लावारिस पड़ी शराब को जब्त किया

सागर जिले के बंडा-शाहगढ़ में जहरीली नकली शराब से दो दर्जन मौतों की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई है कि यहां के रानीपुरा जंगल में बड़ी मात्रा में बांडेट अंग्रेजी शराब का जखीरा मिला है। एक अनुमान के अनुसार बरामद शराब की कीमत करीब 25 से 30 लाख रुपए बताई जा रही है। पूरा मामला बहेरिया

थाना क्षेत्र का है। जब ग्रामीणों को सुनसान इलाके में अंग्रेजी शराब की कई पेटियां दिखाई दीं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर और लावारिस पड़ी शराब को जब्त कर लिया। कुछ बोलतै खुली मिलने से बार या ढाबे से कनेक्शन की आशंका ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

मानसून एक्सप्रेस ने चौकाते हुए रफ्तार पकड़ी, अमी भी कोटा पूरा नहीं

भोपाल, इंदौर-धार में तेज बारिश आज भी 15 जिलों में ‘अलर्ट’

मानसून ट्रफ लाइन बंगाल की खाड़ी से छत्तीसगढ़, दक्षिण-पश्चिम मध्यप्रदेश होते हुए राजस्थान तक बनी हुई है। इसके प्रभाव से सतना समेत रीवा संभाग में अगले दौरे में कहीं-कहीं हल्की और तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई

शनिवार को भोपाल समेत 16 जिलों में रुक-रुककर बारिश दर्ज की गई



शाम 6:30 बजे राजधानी के रविंद्र भवन से ली गई तस्वीर

कोटे से 60 मिमी कम बारिश

इस सीजन में अब तक करीब 801.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है। यह अब तक की सामान्य बारिश 868.6 मिमी की तुलना में 60 मिमी कम है। पूर्वी हिस्से में एक प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में औसत से 14 प्रतिशत बारिश कम हुई है। पिछले एक सप्ताह में यह आंकड़ा कंधान के सुधरा है। बीते एक सप्ताह से यहां के कई जिलों में तेज बारिश हुई है।



22 जिलों में ज्यादा बारिश

अनूपपुर, छतरपुर, मैहर, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़, श्योपुर और शिवपुरी में औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। जबकि भोपाल में सितंबर महीने की औसत बारिश पिछले 5 साल से कोटे से ज्यादा है।

इसलिए हो रही अच्छी बारिश

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र वर्तमान में ओडिशा के ऊपर बना हुआ है। इसके साथ ही मानसून ट्रफ लाइन बंगाल की खाड़ी से छत्तीसगढ़, दक्षिण-पश्चिम मध्यप्रदेश होते हुए राजस्थान तक बनी हुई है। इसके प्रभाव से सतना समेत रीवा संभाग में अगले दौरे में कहीं-कहीं हल्की और तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई है।



हादसे के बाद ब्रिज से नीचे गिरी थार को लोग देखते हुए

4 लोग घायल, पास ही रेलवे ट्रैक

इंदौर में हाईवे ब्रिज की रेलिंग तोड़ 50 फीट नीचे गिरी थार

गाड़ी इतनी रफ्तार में क्यों थी? जांच जारी

हरिभूमि न्यूज़►►इंदौर

यहां देर रात बड़ा हादसा हो गया। एक थार गाड़ी हाईवे ब्रिज की रेलिंग तोड़कर 50 फीट नीचे जा गिरी। उसमें सवार 4 युवक घायल हो गए हैं। घटना स्थल के पास ही रेलवे ट्रैक मौजूद है। गनीमत रही थार ट्रैक पर नहीं गिरी। सबसे राहत कि बात यह रही कि हादसे के वक़्त सड़क पर कोई अन्य वाहन मौजूद नहीं था। हादसा इतना भयानक था कि थार नीचे गिरकर बुरी तरह पलट गई और उसके परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से थार में फंसे लोगों को कार से बाहर निकाला गया और तुरंत पास के अस्पताल भर्ती कराया गया।

झाड़वर नशे में तो नहीं था? जांच कर रही पुलिस

घटना की सूचना की मिलते ही एसीपी निधि सक्सेना मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में प्रतीक सेतु ब्रिज से थार के नीचे गिरने की सूचना मिली थी। जिसमें चार लोग सवार थे। चारों घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस हादसे जांच कर रही है कि गाड़ी इतनी रफ्तार में क्यों थी? कहीं कार चालक नशे की हालत में था या नहीं। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

खरगोन में भीषण हादसा

ट्रॉले की टक्कर से युवती की मौत, एनएच पर 5 किमी जाम



पहिए में फंसा शव, क्रेन से निकाला

हरिभूमि न्यूज़►►खरगोन

मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम मगरखेड़ी के पास शनिवार सुबह करीब 7 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बेकाबू ट्रक-ट्राले ने बाइक सवार युवक-युवती को कुचल दिया। हादसे में बाइक पीछे बैठी भूमि शर्मा (26) का शव ट्रक के पहिए में फंस जाने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा आशीष परमार घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंचे बलकवाड़ा थाना प्रभारी सागर चौहान और पुलिस टीम ने क्रेन की मदद से ट्रक हटवाकर शव को बाहर निकाला।



आग देखते ही लोग डरकर झधर उधर भागे

हरिभूमि न्यूज़►►इंदौर

चोइथराम चौराहे पर शनिवार दोपहर 12:30 बजे बड़ा हादसा हो गया। राजेंद्र नगर से आ रही एक चलती कार में अचानक शांटी सर्किल से भीषण आग लग गई। कार ऑटो-लॉक होने और विंडो का कांच न खुलने के कारण ड्राइवर रुपेश यादव करीब डेढ़ मिनट तक जलती कार के अंदर ही फंसा रहा। मौके पर तैनात ट्रैफिक थाना जोन-4 के टीआई सुमित बिलोनिया, आरक्षक विजय, कमल और एएसआई जेपी तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए कार का कांच तोड़ा और रुपेश को बाहर निकाला।

सारे मंत्री आदिवासियों की इस हालत के लिए जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज़►►बालाघाट

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके शनिवार को बालाघाट पहुंचे। वे उन गांवों का दौरा करेंगे, जहां बीते महीनों में 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की मौतें हुई हैं। दीपके ने कहा कि आदिवासी बच्चे जिस तरह से लगातार बीमार हो रहे हैं, उससे साफ है कि उनकी बहुत अनदेखी हुई है। उन्हें बुनियादी स्वास्थ्य



पीड़ित परिवारों से चर्चा करते हुए दीपके

सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। टीकाकरण और पीने का साफ पानी नहीं मिल रहा है, इसके कारण वे झीरिया का पानी पीने को मजबूर हैं।

विद्या भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

एक करोड़ लोग एक साथ करेंगे वंदे मातरम का गायन

विद्या भारती द्वारा संचालित 24 हजार विद्यालयों व लगभग 30 हजार स्थानों पर एक साथ वंदे मातरम होगा



दो पुस्तकों- ‘वंदेमातरम के 150 वर्ष’ एवं ‘संत रविदास’ का विमोचन



विद्या भारती के 75 वर्ष पूर्ण होने पर होंगे कई कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़►►जबलपुर

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की जबलपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के द्वितीय दिवस अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह संस्थापक कृष्णगोपाल द्वारा दो पुस्तकों-वंदेमातरम के 150 वर्ष एवं संत रविदास का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे, राष्ट्रीय महामंत्री देशराज शर्मा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण शर्मा, राष्ट्रीय संगठन एवं संस्कृति शिक्षा संस्थान के कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

को एक बाथरूम में छिपना पड़ा। दूसरी ओर, पूर्व पार्षद के परिजनों ने छेड़खानी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे सोची-समझी साजिश बताया है। परिजनों के अनुसार, घनश्याम का भतीजा हरिशंकर मोहल्ले के अंकित कुशवाहा से पैसे उधार लेने के बाद से गायब है। दो दिन पहले घनश्याम ने अंकित के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। परिजनों का दावा है कि इसी रंजिश के तहत शनिवार को घनश्याम को बहाने से घर बुलाया गया।



घनश्याम कुशवाहा

आई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। महिलाओं का आरोप है कि पूर्व पार्षद ने छेड़खानी की कोशिश की, जिसके बाद उन्हें घेरकर पीटा गया। बचाव के लिए घनश्याम कुशवाहा



लाइफStyle

टीजर की शुरुआत मेरठ के एक सीधे-सादे और आम परिवार से होती है, जहां नई नवेली बहू (यामी) आई है। पल भर में माहौल बदल जाता है, जब घर का छोटा बेटा (देवर) अपनी ही भाभी पर डायन होने का आरोप लगाता है। फिर यामी का अनदेखा अवतार नजर आता है, जो अपने पीछे अजीब शक्तियों और रहस्यों को छिपाए है।

‘उड़ता तीर’ की रिलीज टली, नई तारीख का ऐलान

मुंबई। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म ‘उड़ता तीर’ अब नई तारीख पर आएगी। आकाश ए कौशिक द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को पहले 11 सितंबर को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इंतजार की घड़ियां बढ़ गई हैं। फिल्म अब 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी। निर्माताओं ने नई तारीख का खुलासा

करते हुए फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया है। इसमें आयुष्मान का मजेदार अंदाज देखने को मिल रहा है। बता दें, ‘उड़ता तीर’ निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और सिखिया एंटरटेनमेंट ने किया है। ‘उड़ता तीर’ के पोस्टर में आयुष्मान को भारत-पाकिस्तान सीमा के बीच झूलते हुए देखा जा सकता है। उनके ऊपर एक अति गोपनीय फाइल रखी है।

यामी

‘नई नवेली’ में ‘डायन भाभी’ बनकर आई

एजेंसी►► मुंबई

यामी गौतम अपने अब तक के सबसे अलग अवतार के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘नई नवेली’ का आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसका निर्माण ‘कलर येलो’ और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने मिलकर किया है। इसका निर्देशन बालाजी मोह ने किया है, जबकि कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। यह फिल्म एक ऐसी नई-नवेली दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका देवर उसे डायन समझने लगता है।

यामी का अलग अंदाज, दशहरा पर जमाएंगी धाक : टीजर की शुरुआत मेरठ के एक सीधे-सादे और आम परिवार से होती है, जहां नई नवेली बहू (यामी) आई है। पल भर में माहौल बदल जाता है, जब घर का छोटा बेटा (देवर) अपनी ही भाभी पर डायन होने का आरोप लगाता है। फिर यामी का अनदेखा अवतार नजर आता है, जो अपने पीछे अजीब शक्तियों और रहस्यों को छिपाए है। फिल्म में सुनीता राजवार या मोता वशिष्ठ जैसे कई कलाकार हैं। यह दशहरा पर 16 अक्टूबर को रिलीज होगी।



हॉलीवुड मसाला



द सीक्रेट लाइव्स... का सीजन

6 आएगा

लॉस एंजिल्स। हलु के मशहूर रियलिटी शो ‘द सीक्रेट लाइव्स ऑफ नॉर्मल वाइव्स’ को 2 और सीजन के लिए हरी झंडी मिल गई है। इससे दर्शकों को खूब सारा ड्रामा और असल जिंदगी की कहानियां देखने को मिलेंगी। इसके छठे सीजन की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है और सातवें सीजन के साथ मिलकर कुल 20 नए एपिसोड दर्शकों को देखने को मिलेंगे। इस शो का पांचवां सीजन 10 सितंबर को स्ट्रीम हुआ था। इसमें मुख्य रूप से टेलर फ्रैंकी पॉल के मुश्किल भरे साल को दिखाया गया, जिसमें उनकी ‘बैचलरेट’ जर्नी रद्द होना, डग मेसन के साथ सगाई टूटना और पूर्व पार्टनर डकोटा मॉन्टेसन के साथ काबूनी पवड़े शामिल थे।



‘जेन वी’ के स्टार मार्वल की ‘एक्स-मेन’ कास्ट से जुड़े

लॉस एंजिल्स। मार्वल ने अभी-अभी यह बताया है कि ‘जेन वी’ के आसा जर्नल आने वाली ‘एक्स-मेन’ फिल्म में एजेला का किरदार निभाएंगे। पिछले महीने हुए डी23 इवेंट में मार्वल के प्रमुख कैंपेन फोर्गे ने ‘एक्स-मेन’ के नए कलाकारों का खुलासा किया था। इस फिल्म में साडी सिक जॉन वे, किट कॉनर साइब्रॉप्स, समारा वीविंग एम्मा फ्रॉस्ट और एडम ड्रुइवर मिस्टर सिक्सटर की भूमिका में नजर आएंगे। एजेला, जिसका असली नाम वॉरेन वर्थिंगटन III है, एक म्यूटेंट है जिसके पास बड़े पंख और उड़ने की शक्ति है। इससे पहले भी वह ‘एक्स-मेन’ की पिछली फिल्मों में दिख चुका है, जहां बेन फॉस्टर ने पेशेबेक में बचने के रूप में और केडन बॉयड ने बड़े होने पर उसका किरदार निभाया था। इस नई फिल्म का निर्देशन जेक श्रेयर (‘थंडरबोल्ट्स’ वाले) कर रहे हैं और यह 5 मई, 2028 को सिनेमाघरों में आएगी।

टीवी मसाला



कुशाल तंवर : ट्रक ड्राइवर बनने के सपने से लेकर आधे घंटे में नौकरी छोड़ने तक की अनसुनी कहानी

मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ का आगाज हो चुका है और इस बार घर में कई ऐसे चेहरे आए हैं, जिनकी लाइफस्टोरी काफी प्रेरणादायक और अनोखी है। इन्हीं कंटेस्टेंट्स में से एक हैं कुशाल तंवर (जिन्हें ‘गुल्लू’ के नाम से भी जाना जाता है)। शो के दौरान गुल्लू ने अपनी जिंदगी के संघर्ष और करियर के शुरुआती दिनों से जुड़े कुछ ऐसे दिलचस्प खुलासे किए हैं, जिन्हें सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

ट्रक ड्राइवर बनने का था सपना : गुल्लू ने हाल ही में शो की साथी कंटेस्टेंट कनिका मान के साथ बातचीत करते हुए अपने अतीत के पन्नों को पलटा। उन्होंने बताया कि कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद शुरुआती तीन सालों तक उन्होंने कुछ नहीं किया, क्योंकि उनका सबसे बड़ा सपना विदेश जाकर ट्रक ड्राइवर बनने का था। वह अपने खुद के ट्रक खरीदकर कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में चलाना चाहते थे, लेकिन वीजा रिजेक्ट हो जाने के कारण उनका यह सपना अश्रूरा रह गया।

सिर्फ आधे घंटे में छोड़ दी पहली नौकरी : विदेशी धरती पर ट्रक चलाने का सपना टूटने के बाद गुल्लू ने देश में ही नौकरी करने का फैसला किया। उन्होंने गुरुग्राम में एक कॉर्पोरेट जॉब ज्वाइन की, लेकिन उनका यह अनुभव बेहद अजीब और मजेदार रहा। गुल्लू के मुताबिक, उन्होंने वह नौकरी महज आधे घंटे के भीतर ही छोड़ दी थी। उन्हें ऑफिस में डेस्क वर्क की उम्मीद थी, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें बहकों को जूते दिखाने का काम सौंप दिया गया। इस बात से नाखुश होकर उन्होंने तुरंत मैनेजर को डिब्बा वापस थमाया और ऑफिस से बाहर आ गए।

शेफ बनने से लेकर सोशल मीडिया तक का सफर : नौकरी छोड़ने के बाद गुल्लू ने अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने का फैसला किया। वह गोवा चले गए और वहां करीब दहाई महीने तक शेफ के रूप में काम सीखा। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखा और रीलस बनानी शुरू कीं, जिससे उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहचान मिली और आज वह बिग बॉस के मंच तक पहुंच चुके हैं।

‘बिग बॉस 20’ के अन्य चर्चित चेहरे : इस सीजन में सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले इस शो में कुशाल तंवर के अलावा कई और जाने-माने सितारे नजर आ रहे हैं। इस साल के कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में कनिका मान, आसिफ खान, काजी तौकीर, आमपाली दुबे, ईशा रिखी, रोहद खान, लव मील, हर्ष, अरिहण्डा खान, अमन गांधी, उदित सिंह, रीति तिवारी, माही विज, मैरी कॉम और प्रसिद्ध गेमिंग क्रिएटर रंकाउट (तन्मय सिंह) शामिल हैं।

सस्पेंस और थ्रिल घुमा देगा दिमाग

मुंबई। परिणीति चोपड़ा की मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज ‘शक: ट्रस्ट नो वन’ अपने डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। इससे पहले निर्माताओं ने इसका आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें ताहिर राज हुसैन, सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, सुमित व्यास और हर्लिन सेठी जैसे कई सितारे भी शामिल हैं। निर्देशन रेनसिल डी‘सिल्वा ने किया है, जबकि निर्माण मशहूर फिल्ममेकर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा द्वारा किया गया है। ‘शक’ एक मां और 9 साल पहले अस्पताल से चुराई उसकी बेटी पर आधारित सीरीज है। ट्रेलर की शुरुआत परिणीति के किरदार से होती है, जो अपनी नवजात बच्ची की हमेशा सुरक्षा करने की कसम खाती है। उसकी पूरी जिंदगी तब बदलती है, जब एक रात वही बच्ची अस्पताल से चोरी हो जाती है।



‘वृषकर्मा’ दिसंबर में करेगी धमाका

मुंबई। नाग चैतन्य की आने वाली फिल्म ‘वृषकर्मा’ के लिए तैयार हो जाइए। यह एक पौराणिक थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दंडु ने निर्देशित की है। यह फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लगभग 2 साल के लंबे इंतजार के बाद बन रही यह फिल्म दर्शकों को एक शानदार और अलौकिक रोमांच से भरी यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। नाग ने खुद एक्स पर फिल्म की रिलीज की तारीख का ऐलान किया। फिल्म का टीजर एक रहस्यमय खजाने की खोज की कहानी दिखाता है, जहां एक ताकतवर बुराई अपना सिर उठा रही है। ऐसे में नाग का किरदार, जिसे ‘वृषकर्मा’ के रूप में चुना गया है, एक योद्धा बनकर इस बुराई का सामना करेगा। इस फिल्म में नाग के साथ मुख्य हीरोइन के तौर पर मोनाक्षी चौधरी दिखेंगी।

‘हनुमान अंश’ अब तेलुगू में, 160 करोड़ कमाने के बाद नए धमाके की तैयारी...

मुंबई। कम बजट में बनी फिल्म ‘हनुमान अंश’ ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर इतिहास रच दिया है। महज 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने भारत में 163 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। अब ये फिल्म तेलुगू दर्शकों के बीच पहुंचने के लिए तैयार है। मशहूर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। ‘हनुमान अंश’ को तेलुगू दर्शकों के बीच सिनेमाघरों में मध्य तरीके से रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म की कमाई ने ट्रेंड पड़ितों को भी हैरान कर दिया है। उत्तर भारत में धमाल मचाते वाली इस फिल्म के तेलुगू वर्जन के अधिकार



मशहूर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने खरीदे हैं। उनकी पत्नी साई सौजन्या के नेतृत्व वाले ‘फॉर्च्यून फोर सिनेमाज’ बैनर के तहत फिल्म को तेलुगू राज्यों में बड़े स्तर पर रिलीज करने की तैयारी की गई है। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को लेकर पूरी योजना तैयार कर ली है।

नीम करोली बाबा की जिंदगी का अनसुना और अनदेखा सफर: लक्ष्मी नारायण शर्मा नाम का एक छोटा बच्चा भगवान हनुमान की भक्ति में लीन होकर ईश्वर की तलाश में निकल पड़ता है और आगे चलकर नीम करोली बाबा बन जाता है।

200 करोड़ से बस इतनी दूर ‘हनुमान अंश’

सैकनलिक की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 35वें दिन फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन करीब 192 करोड़ रुपये पहुंच गया। फिल्म अब 200 करोड़ रुपये के आंकड़े के बेहद करीब है। भारत में ये फिल्म 163 करोड़ रुपये कमा चुकी है। कम बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी लगातार कमाई से सभी को हैरान कर दिया है। खास बात ये है कि पांचवें हफ्ते में भी फिल्म की कमाई की रफ्तार बनी हुई है और दर्शकों का उत्साह बरकरार है।

इस दिन रिलीज होगी ‘हनुमान अंश’

सोशल मीडिया पर इस प्रोजेक्ट को लेकर पहले से ही चर्चा थी। अब निर्माण कंपनी ने आधिकारिक तौर पर मोशन पोस्टर जारी कर फिल्म की रिलीज डेट 18 सितंबर तय होने की जानकारी दी है। त्रिविक्रम श्रीनिवास का नाम जुड़ने से तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। ये फिल्म नीम करोली बाबा के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं और उनकी आध्यात्मिक यात्रा की कहानी दिखाती है। नीम करोली बाबा दुनियाभर में प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु थे।

‘दृश्यम’ वाली श्रिया की ओटीटी पर मौजूद ये फिल्में जरूर देखें

मुंबई। भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री श्रिया सरन ने 11 सितंबर को अपना 44वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने तेलुगु, तमिल और हिंदी समेत कई भाषाओं की फिल्मों में अपनी खास पहचान बनाई है। अपनी खूबसूरती और शानदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली श्रिया का फिल्मी करियर 2 दशक से ज्यादा लंबा है। ऐसे में जन्मदिन के खास मौके पर आइए उनकी उन बेहतरीन फिल्मों पर नजर डालते हैं, जिन्हें आप ओटीटी पर देख सकते हैं।

‘छत्रपति’ और ‘शिवाजी: द बॉस’

एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म ‘छत्रपति साल’ 2005 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में श्रिया के साथ प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का लुप्त आप जीस पर उठा सकते हैं। साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म ‘शिवाजी: द बॉस’ एक ब्लॉकबस्टर तमिल एक्शन-ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में श्रिया के साथ-साथ रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं। आप इस फिल्म को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।



‘दृश्यम’ और ‘दृश्यम 2’

थिलर फिल्म ‘दृश्यम’ का पहला भाग 2015 में और दूसरा भाग साल 2022 में रिलीज हुआ था। इस फिल्म में श्रिया ने विजय सलगांवकर (अजय देवगन) की पत्नी का किरदार निभाया था। आप इसे नेटफ्लिक्स और प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

25 मिनट तक गूंजती रहीं तालियां

इजराइली फिल्म ‘नाजा’ ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल में रचा इतिहास

लॉस एंजिल्स। ऑस्कर विजेता इजराइली फिल्ममेकर युवल अब्राहम और राचेल सौर की डॉक्यूमेंट्री ‘नाजा’ ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल में धूम मचा दी। गाजा में आम फिलिस्तीनियों के साथ हुए दर्दनाक नरसंहार पर बनी इस फिल्म के प्रीमियर पर दर्शकों ने खड़े होकर 25 मिनट तक तालियां बजाईं। पिछले साल की ‘द वॉइस ऑफ हिंद रजब’ के बाद इस बार ‘नाजा’ को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया सिनेमा के जरिए दुनिया तक सच्चाई पहुंचाने की असरदार मिसाल बन गई है।



3 साल तक गुपचुप शूट हुई ‘नाजा’

ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल्स में स्टैंडिंग ओवेशन से ही किसी फिल्म के प्रभाव का अंदाजा लगाया जाता है। डॉक्यूमेंट्री ‘नाजा’ को 3 साल तक तेल अवीव की छतों पर गुपचुप तरीके से शूट किया गया है। इस फिल्म में 24 इजराइली सैन्य अधिकारियों और सैनिकों ने पहली बार कैमरे पर आकर गाजा युद्ध और फिलिस्तीनी नागरिकों के व्यवस्थित नरसंहार की सनसनीखेज सच्चाई उजागर की है। उनकी पहचान छुपाने के लिए आवाज और चेहरे डिजिटल रूप से बदले गए हैं।

फिल्म ने बनाया नया रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियर पर फिल्म को 25 मिनट का ऐतिहासिक स्टैंडिंग ओवेशन मिला, जो इस फेस्टिवल का नया रिकॉर्ड माना जा रहा है। स्क्रीनिंग खत्म होने के बाद दर्शकों ने दोनों निर्देशकों के लिए लगातार तालियां बजाईं। इसी के साथ इस फिल्म ने पिछले साल की डॉक्यू-ड्रामा ‘द वॉइस ऑफ हिंद रजब’ को मिले 23 मिनट की तालियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो इजराइली सेना द्वारा 5 साल की मासूम बच्ची की हत्या पर बनी थी।

रेड कार्पेट पर लगे ‘फ्री फिलिस्तीन’ के नारे

इससे पहले रेड कार्पेट पर जब दोनों फिल्ममेकर युवल अब्राहम और राचेल सौर ऑडिटोरियम की तरफ बढ़ रहे थे, तब वहां मौजूद लोगों ने फ्री फिलिस्तीन और फ्री इजराइल के जोरदार नारे लगाए। इस फिल्म को वेनिस फेस्टिवल के शीर्ष पुरस्कार की मजबूत दावेदार माना जा रहा है। बता दें कि पिछले साल भी ‘द वॉइस ऑफ हिंद रजब’ को भारी समर्थन से मुख्य दावेदार माना गया था, लेकिन जूरी में फूट के कारण उसे दूसरा पुरस्कार ही मिला।

► नारी शक्ति, प्रकृति और संस्कृति के संग मना हरियाली दिवस

► नव निर्वाचित कार्यकारिणी का सम्मान, 200 से अधिक पौधों का वितरण

जबलपुर। हाईकोर्ट के गलियारों में जहां रोज कानून की धाराओं और तर्कों की गंभीरता सुनाई देती है, शनिवार को वही परिसर प्रकृति, संस्कृति और उल्लास के रंग में रंगा नजर आया। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के आदर्शमुनि सभागार में हरियाली दिवस का आयोजन हुआ। वर्षा से धुली धरती की हरियाली को नारी शक्ति और भारतीय संस्कृति से जोड़ते हुए आयोजन ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि कीर्ति पांडेय, शक्ति त्रिवेदी और प्राची अजय शुक्ला की उपस्थिति में पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में आर्या त्रिवेदी कृष्ण तथा लाभाश्री शुक्ला और आल्या त्रिवेदी राधा के रूप में मंच पर उतरीं तो सभागार में ब्रज की छवि साकार हो उठी। मेहंदी प्रतियोगिता, प्रकृति के राग पर नृत्य और पुरानी फिल्मों की थीम पर महिला वेशभूषा ने आयोजन को विविध रंग दिए।

नई कार्यकारिणी का सम्मान

समारोह में हाईकोर्ट बार की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता मृगेन्द्र सिंह, सचिव असीम त्रिवेदी, उपाध्यक्ष विश्वास पलिया व सत्येन्द्र ज्योतिषी, महिला उपाध्यक्ष अनुराधा तिवारी चौबे, सहसचिव रूपेश पटेल, कोषाध्यक्ष सुशीला पालीवाल, पुस्तकालय सचिव अजय शुक्ला सहित कार्यकारिणी सदस्यों कार्यकारिणी सदस्यों आशीष तिवारी, अनंनव तिवारी, विभा पाठक, अभिजीत सोनी, शान्ति तिवारी, अनुल द्विवेदी, आरती शर्मा व वरुण दुबे का सम्मान हुआ।



पौधे बने सबसे सुंदर स्मृति-चिह्न

कदम संस्था की ओर से 200 से अधिक पौधों का वितरण किया। पौधों के साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी का संदेश भी दिया गया।

कचौड़ी में धरती, चटनी में हरियाली

आयोजन का सबसे अनूठा संदेश खान-पान में भी दिखाई दिया। गोल कचौड़ी को धरती और उस पर सजी हरी चटनी को हरियाली का प्रतीक माना गया। संदेश था-धरती का आकार चाहे कितना भी सुंदर हो, उसका जीवन उसकी हरियाली से है।

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा

जबलपुर। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) ने नगद इनाम की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने, उनकी गिरफ्तारी के संबंध में सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले व्यक्तियों को निर्धारित राशि से पुरस्कृत किया जाएगा।

पाटन थाना क्षेत्र के अपराध क्रमांक 458/26, धारा 126(2), 103(1), 309(4), 3(5) बीएनएस में ग्राम राखी और कुंगवां के बीच कार चालक को रोककर सेल्फास की गोलियां खिलाने और कार में रखे बैग से करीब 5 हजार रुपये का सामान छीनने वाले दो अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी पर प्रत्येक आरोपी के लिए 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

इसी थाना क्षेत्र के अपराध

क्रमांक 500/26, धारा 309(4), 309(6), 324(2), 3(5) बीएनएस में फरार आरोपी तुलसी लोधी पिता पंचम लोधी, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम पिपरिया कला, बेलखेड़ा की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

पाटन के ही अपराध क्रमांक 508/26, धारा 420, 467, 468, 34 भादवि में फरार आरोपी मोहित बैगवार पिता प्रेमलाल बैगवार, उम्र 32 वर्ष, निवासी बनारसीदास भनोट वार्ड, बंदरिया चौक, गोरखपुर, सचिन पाण्डे पिता लालजी पाण्डे, उम्र 28 वर्ष, निवासी गुरु मोहल्ला, पाटन तथा अंकित पटेल पिता राकेश पटेल, उम्र 28 वर्ष, निवासी यादव कॉलोनी, लार्डगंज की गिरफ्तारी पर प्रत्येक आरोपी के लिए 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

क्रमांक 08/26, धारा 25 ए(1-बी),

25(1-क), 27 आर्म्स एक्ट तथा 249(बी) बीएनएस में बढ़ाई गई धाराओं 111(4), 111(5), 116(6) बीएनएस के तहत फरार आरोपी चंद्रशेखर चौबे पिता स्व. चेताराम चौबे, उम्र 60 वर्ष, निवासी स्नेहनगर, मदनमहल की गिरफ्तारी पर 3 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

इसी तरह सिहोरा थाना के अपराध क्रमांक 498/26, धारा 25(1)ए, 27 आर्म्स एक्ट में फरार आरोपी स्वयं चौबे पिता अशोक कुमार चौबे, निवासी ग्लोरियस स्कूल के पास, सिहोरा की गिरफ्तारी पर 3 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

पुलिस ने अपील की है कि फरार आरोपियों के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना देकर उनकी गिरफ्तारी में सहयोग करें।

फार्मासिस्टों की राज्य स्तरीय कार्यशाला में अधिकारों और चुनौतियों पर मंथन

जबलपुर। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में शनिवार को रानीताल युथ हॉस्टल में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रदेशभर से फार्मासिस्ट एवं संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष शशि भूषण, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार एवं गाजियाबाद जिलाध्यक्ष सुंदर लाल राठी रहे। अध्यक्षता मप्र अध्यक्ष जैनेंद्र सिंह ने की। विशेष अतिथि औषधि निरीक्षक राधेश्याम बड्ढी एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन मौजूद रहे। कार्यशाला में फार्मासिस्टों के अधिकारों, स्वास्थ्य सेवाओं में उनकी भूमिका तथा औषधि क्षेत्र की बदलती चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने फार्मासिस्टों को नई तकनीकों एवं बदलते कार्यक्षेत्र के अनुरूप स्वयं को अपडेट करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में मप्र के विभिन्न जिलों के जिलाध्यक्ष एवं उनकी टीमों ने सहभागिता की।

हिंदी महोत्सव में आज स्कूली विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतियोगिता

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत परिवार हिंदी समिति एवं केंद्रीय क्रोड़ा एवं कला परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिंदी महोत्सव के तहत 13 सितंबर को सुबह 11 बजे रामपुर स्थित कल्याण भवन में स्कूली विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी, जिसमें कक्षा पहली से तीसरी, चौथी से सातवीं और आठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। आयोजन समिति द्वारा प्रतिभागियों को ड्राइंग शीट उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि रंग, पेंसिल सहित अन्य सामग्री प्रतिभागियों को स्वयं लानी होगी। प्रतियोगिता में विद्युत कंपनियों में कार्यरत कर्मिकों के विद्यालय में अध्ययनरत पुत्र-पुत्रियां भाग ले सकेंगे। समिति अध्यक्ष फ़िरोज कुमार मेश्राम एवं संयोजक दीपक निगम सहित आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ने कर्मिकों से बच्चों के अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के साथ हिंदी और भारतीय संस्कृति से उनका जुड़ाव मजबूत करना है।

‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस की बैठक, बनाई रणनीति

जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर ग्रामीण की महत्वपूर्ण बैठक अगवाल बारातघर में जिला ग्रामीण प्रमारी एवं विधायक रजनीश सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 19 सितंबर को इंदौर में आयोजित होने वाले ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम की तैयारियों और अधिकाधिक सहभागिता को लेकर रणनीति बनाई गई। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि कार्यक्रम युवाओं और छात्रों की आवाज को मजबूती से उठाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि रोजगार, शिक्षा और भविष्य को लेकर युवा चिंतित हैं, ऐसे में कांग्रेस उनके अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी। उन्होंने जबलपुर ग्रामीण से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के इंदौर पहुंचने का आह्वान किया। बैठक में नित्यनिरंजन खमपरिया, राधेश्याम चौबे, वीरेंद्र चौबे, दिनेश यादव, कौशल्या गोटिया, राजेश पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

हिंदी हमारी पहचान और संस्कृति की संवाहक : प्रो. अरुण शुक्ल

जबलपुर। हिंदी दिवस पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि हिंदी हमारी पहचान और संस्कृति की संवाहक है। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि डिजिटल युग में हिंदी के जानकारी युवाओं के लिए पत्रकारिता, अनुवाद, कंटेंट राइटिंग, मीडिया, प्रकाशन व शिक्षण सहित रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर भाषण, कविता पाठ एवं पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। ‘नर्मदा’ शोध पत्रिका के ‘वैश्विक परिदृश्य में हिंदी : भाषा, साहित्य और तकनीक’ विशेषांक का विमोचन भी हुआ। संचालन सुषमा मौर्य ने किया।

बदलते परिवेश में व्यापार के गुर सीखें व्यापारी, समस्याओं के समाधान पर जोर

जबलपुर। महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सभागार में एक पहल, परिचर्चा से समाधान की ओर कार्यक्रम आयोजित किया गया। व्यापार प्रबंधन एवं वित्तीय विशेषज्ञ प्रदीप विश्वारी ने कहा कि बदलते परिवेश में व्यापार की चुनौतियों को पहचानकर समय रहते समाधान तलाशना जरूरी है। उन्होंने व्यापार में वित्तीय अनुशासन, आय-व्यय प्रबंधन और बदलती बाहक जरूरतों के अनुरूप कार्यप्रणाली विकसित करने पर जोर दिया। ऑनलाइन कारोबार की बढ़ती चुनौती पर उन्होंने कहा कि



व्यापारियों को अपने तौर-तरीकों में बदलाव के साथ सामूहिक शक्ति का उपयोग करना होगा। उन्होंने बाहक को केंद्र में रखकर स्थायी बाहक आधार विकसित करने को सफलता का मंत्र बताया। चेम्बर अध्यक्ष रवि गुप्ता ने ‘स्वच्छ व्यापार-स्वस्थ व्यापार’ के ध्येय वाक्य का पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में व्यापारियों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। संचालन अखिल मिश्र ने किया और आभार युवराज जैन गढ़वाल ने माना।



ईपीएफ कर्मचारी संघ की नई कार्यसमिति गठित, कर्मचारी हितों पर मंथन

जबलपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जबलपुर कार्यालय में कर्मचारी संघ की नई कार्यसमिति का गठन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय न्यासी बोर्ड के सदस्य एवं कर्मचारी प्रतिनिधि हरेंद्र पाण्डेय पहली बार जबलपुर पहुंचे, जहां अधिकारियों-कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में आल इंडिया ईपीएफ

कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, ग्रुप-बी ऑफिसर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एस.बी. शुक्ला, महासचिव सुरेश शिवाच एवं क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के.सी. जोशी मौजूद रहे। बैठक में ग्रुप-बी एवं सी कर्मचारियों की समस्याओं, संगठनात्मक एकजुटता और कर्मचारी हितों की प्रभावी पैरवी पर चर्चा हुई। उषा

उड़के को अध्यक्ष, अनिता दुबे उपाध्यक्ष, छवि कुमार सचिव, अमन प्रकाश पाण्डेय सह सचिव और बाली प्रसाद धुर्वे कोषाध्यक्ष बनाया गया। भारती पटेल महिला प्रतिनिधि एवं सचिव नियुक्त हुईं। सलाहकार के रूप में मनोज कुरेले, शर्मिला धुर्वे, पी.एन. बरतवार एवं रविन्द्र गंगभोज सहित अन्य पदाधिकारी नियुक्त किए गए।

सीजीएचएस बैठक में दवाओं की गुणवत्ता पर उठे सवाल

जबलपुर। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की जेनरल बैठक अपर निर्देशक डॉ. पंकज पाटिल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पैरामेड एसोसिएशन के चरिष्ठ सलाहकार प्रतिनिधियों सुभाष नंदा, कुंवर सिंह, अजय शुक्ला, राजेन्द्र सिंह, एस.के. बनर्जी, अमिल शुक्ला, गुरुमुख दास तलरेजा, रमा शंकर शुक्ला, डी.के. सिंह, जी.पी. विश्वकर्मा, अशोक नामदेव, के.एन.एस. यादव एवं अजय सिंह ने विभिन्न समस्याएं उठाईं। प्रतिनिधियों ने जनऔषधि की दवाओं के अस्वहीन होने की शिकायतों का हवाला देते हुए दवाओं की नियमित लेब जांच और चिकित्सकों द्वारा लिखी गई दवाओं में अनधिकृत बदलाव रोकने की मांग की। डिस्ट्रीब्यूटर्स में डिलीवरी व स्टॉफ की कमी, आयुर्वेदिक अस्पतालों की सूचीबद्ध करने, फार्मासिस्ट की नियुक्ति और सोनकर के साथ मूर्ति बनाने का काम कर रहे थे। तभी रोहित मराठा और चिंटू उर्फ भरत यादव वहां पहुंचे। आरोप है कि चिंटू के कहने पर रोहित ने पिस्टल से मनोज पर गोली चला दी। गोली गर्दन के पीछे लगी। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।



मूर्तिकार हत्याकांड में दो गिरफ्तार, महिला आरोपी जेल भेजी गई

जबलपुर। हनुमानताल थाना क्षेत्र में 4 सितंबर की रात मूर्तिकार मनोज उर्फ बाबा सोनकर की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सुमित चौधरी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया, जबकि महिला आरोपी को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया। मामले में महिला के पति की भूमिका भी सामने आई है, जो फरार है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 11:30 बजे मथुरा सेठ की बाड़ी में हुई। मनोज अपने भांजे पुष्कर सोनकर, पत्नी विमला सोनकर और बेटे अनुराग सोनकर के साथ मूर्ति बनाने का काम कर रहे थे। तभी रोहित मराठा और चिंटू उर्फ भरत यादव वहां पहुंचे। आरोप है कि चिंटू के कहने पर रोहित ने पिस्टल से मनोज पर गोली चला दी। गोली गर्दन के पीछे लगी। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग वाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वाशिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :-

✦ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है।

✦ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं।

✦ मरदानजी भा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा।

✦ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे।

✦ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्माट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) क्लिप्प करने होंगे।

✦ फोटोकॉपी या कट-कट कूपन व फार्माट मान्य नहीं होंगे।

✦ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे।

✦ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आवश्यक के नियम व शर्तें मान्य होंगी।

✦ हरिभूमि निर्मावक मंडल का निर्गम अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

✦ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ. म.) होगा।

✦ विषय में दस्तावेज़ उपहार वार्षिक उपहार से भिन्न हो सकते हैं।

✦ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करावें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर
मो. 9479623424, 9340637789

शौचालयों में दम तोड़ रहा स्वच्छ भारत अभियान

लाखों खर्च के बाद भी सार्वजनिक शौचालय बदहाल, सफाई और रखरखाव के अभाव में बड़ी परेशानी

सिहोरा

स्वच्छ भारत मिशन को जगनांदोलन और विकास का प्रतीक बताया जा रहा है, लेकिन सिहोरा के सार्वजनिक शौचालय इसकी जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बस स्टैंड, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों के कई शौचालय गंदगी, दुर्गंध और अव्यवस्था के शिकार हैं। कहीं कूड़ा जमा है तो कहीं झाड़ियों के बीच शौचालय दिखाई तक नहीं देता।

पुराने बस स्टैंड का शौचालय बना कचरा कैंद्र

नगर पालिका रोड स्थित पुराने बस स्टैंड के पास बने सार्वजनिक शौचालय की हालत बेहद खराब है। अंदर चारों ओर गंदगी और कूड़ा-करकट जमा है, जिससे लोगों को

उपयोग करने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण पर लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन नियमित सफाई और रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। हैरानी की बात यह है कि शौचालय नगर पालिका गैराज और तहसील कार्यालय के नजदीक होने के बावजूद इसकी स्थिति नहीं सुधरी।

झाड़ियों में गुम तहसील कार्यालय का शौचालय

तहसील कार्यालय में रोजाना सैकड़ों लोग विभिन्न कार्यों से पहुंचते हैं, लेकिन यहां का शौचालय झाड़ियों से घिरा होने के कारण लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।



नगर की कई शैक्षणिक संस्थाओं के शौचालयों की स्थिति भी स्वच्छता अभियान के दावों पर सवाल खड़े कर रही है।

निर्माण के बाद रखरखाव भूला सिस्टम

शौचालयों का निर्माण, उद्घाटन और फोटो खिंचवाने के बाद उनके नियमित

रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जाना बड़ी समस्या बन गया है। कई सार्वजनिक शौचालय पानी, सफाई, रोशनी और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। लोगों ने प्रशासन और नगर पालिका से नियमित सफाई और शौचालयों की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

शैलेंद्र दुबे निर्विरोध जल उपभोक्ता संस्था के अध्यक्ष निर्वाचित

बरेला। जल उपभोक्ता संस्था नीमखेड़ा के अध्यक्ष पद पर शैलेंद्र दुबे 'चट्टे महाराज' को पुनः निर्विरोध निर्वाचित किया गया। उनके निर्विरोध निर्वाचन पर संस्था से जुड़े सदस्यों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं। शुभचिंतकों ने विश्वास जताया कि शैलेंद्र दुबे के नेतृत्व में जल उपभोक्ता संस्था निरंतर

प्रगति करेगी। साथ ही क्षेत्र की जल व्यवस्था को बेहतर बनाने, किसानों की समस्याओं के निराकरण तथा क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों को गति देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। निर्विरोध निर्वाचन के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा और उन्होंने शैलेंद्र दुबे का स्वागत कर उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।



अपर कलेक्टर नीता राठौर ने किया नम्रता स्पेशल स्कूल का निरीक्षण

पाटन। अपर कलेक्टर श्रीमती नीता राठौर ने नम्रता शिक्षा एवं पुनर्वास परिषद द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में संचालित नम्रता स्पेशल स्कूल का निरीक्षण किया। संचालक नितिन विश्वकर्मा ने उन्हें बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित गतिविधियों एवं पुनर्वास कार्यों की जानकारी दी। अपर कलेक्टर ने बच्चों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं तथा स्पेशल एजुक्रेटर एवं प्राचार्य नीतू चौधरी से पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संस्था सचिव ने बजट संबंधी समस्याएं बताते हुए ग्रामीण क्षेत्र में एकल सेंटर को विकसित करने के लिए सहयोग का आग्रह किया। अपर कलेक्टर ने समस्याओं के निराकरण का आश्वासन देते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की। संवाद के दौरान छात्र शुभम जैन ने कविता सुनाई। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह, सीएमओ जय श्री चौहान, पाण्डे सत्यम मेहरा, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा संस्था के कर्मचारी एवं बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।



14 सितंबर से गूंजेगा गणपति बप्पा का जयघोष

जबलपुर। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला गणेश चतुर्थी पर्व 14 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर शहर में धार्मिक उत्साह का माहौल है। विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। सनातन परंपरा में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य तथा बुद्धि, विवेक, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना गया है। श्रद्धालु गणेश चतुर्थी पर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना करेंगे। गणेशोत्सव के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आरती, भजन-कीर्तन, धार्मिक आयोजन और प्रसाद वितरण होंगे। पर्व धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश भी देता है। श्रद्धालु भगवान गणेश से जीवन के सभी विघ्न दूर कर सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करने की प्रार्थना करेंगे।



गणेश उत्सव को लेकर हुई शांति समिति की बैठक में व्यवस्था सुधारने के निर्देश

मंझौली।

आगामी गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से मनाने को लेकर थाना मंझौली में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी अपुर्वा चौरसिया ने गणेश पंडाल समितियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं दुकानदारों से शासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की। बैठक में तय किया गया कि सड़क पर लगाए जाने वाले गणेश पंडालों की व्यवस्था ऐसी हो कि आवागमन बाधित न हो। पंडालों के सामने सुरक्षा के लिए स्टॉपर लगाने तथा दुकानदारों को सड़क छोड़कर दुकानें लगाने के निर्देश दिए गए, ताकि बाजार में जाम की स्थिति न बने। पंडालों में डीजे एवं साउंड की आवाज निर्धारित सीमा में रखने की भी हिदायत दी गई। थाना प्रभारी ने कहा कि गणेश उत्सव आपसी भाईचारे और सहयोग का पर्व है। बैठक में राजेंद्र चौरसिया, सुनील



सोनकर, विजय साहू, सुरेश माझी, तेजी पहलवान, डॉ. सुभाष, दिनेश चौबे, मोहम्मद शकील, महेंद्र कोठा,

गंगाराम कोठा, मनोरंजन राय, कपिल झारिया एवं सिद्धार्थ उपाध्याय सहित नगरवासी मौजूद रहे।

श्रीमती कलावती देवी त्रिपाठी- सैनिक सोसायटी डुमना रोड निवासी श्री रमेश त्रिपाठी धर्मपत्नी श्रीमती कलावती देवी त्रिपाठी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती प्रभा देवी सैनी- मदनमहल निवासी श्री जय नारायण सैनी की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा सैनी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री ललित कुमार पटेल- मदनमहल गुप्तेश्वर वाई निवासी श्री ललित कुमार पटेल (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री शिवम आचार्य- जयनारायण का बाड़ा घमापुर चौक निवासी श्री सुनील आचार्य के पुत्र श्री शिवम आचार्य (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती कमलेश देवी- बेलबाग थाने के पास निवासी श्री रमेश सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश देवी (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती सियारानी पटवा- प्रेमसागर साहू मोहल्ला निवासी श्री वीरभान पटवा की धर्मपत्नी श्रीमती सियारानी पटवा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री कुंजी लाल सैनी- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री कुंजी लाल सैनी (87) का निधन हो



गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सोनम मेहरा- नेपियर टाउन भंडारी अस्पताल रोड निवासी श्री भूपिन मेहरा के पुत्र श्री सोनम मेहरा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री श्याम लाल पटेल- रीवा कॉलोनी छाप रामपुर निवासी श्री श्याम लाल पटेल (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री मुकुंदी लाल अग्रवाल- हनुमानताल कोतवाली वाई निवासी श्री मुकुंदी लाल अग्रवाल (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती अर्चना जायसवाल- डिफेंस कॉलोनी साउथ सिविल लाइन निवासी श्री रमेश जायसवाल की धर्मपत्नी श्रीमती अर्चना जायसवाल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती किरण चौबे- राधाकृष्णन वाई बारूदखाना निवासी श्री राजकुमार चौबे की धर्मपत्नी श्रीमती किरण चौबे (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री जयनाथ मौर्य- बड़ा पत्थर रांझी निवासी

श्री जयनाथ मौर्य (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती विमला रानी चावला- छोटी ओमती सनातन धर्म मंदिर के पास निवासी श्री खुशीराम चावला की धर्मपत्नी श्रीमती विमला रानी चावला (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री मुकेश चौधरी- छिवला गौरीघाट निवासी श्री मुकेश चौधरी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती तारा बाई कोल- नई बस्ती कांचघर निवासी श्री दुर्गा प्रसाद कोल की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई कोल (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती कल्पना मिश्रा- दत्त आकैंड साउथ सिविल लाइन निवासी श्री सत्यशील मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना मिश्रा (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री शिवा रैकवार- दुर्गा नगर ग्वारीघाट स्टेशन के सामने निवासी श्री मंगल रैकवार के पुत्र श्री शिवा रैकवार (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्री संत कुमार नायडू- पीरबक्श लाइन रसल चौक निवासी श्री संत कुमार नायडू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।



जबलपुर की उपलब्धि पर महापौर-आयुक्त का सम्मान

जबलपुर। पर्यावरण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में देश में जबलपुर को तीसरा स्थान मिलने पर गद्दा गोंडवाना संरक्षण संघ जबलपुर की ओर से नगर निगम पहुंचकर महापौर जगत बहादुर सिंह अनू एवं निगमायुक्त आर.पी. अहिरवार का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संघ के संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी ने किया। इस अवसर पर कार्यवाहक अध्यक्ष अजय झारिया, सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र चौधरी, महासचिव उत्तम ताराम, एडवोकेट बालकिशन चौधरी, जगदीश नन्हेट, परिसंघ की ओर से मुक्तेश्वर राव, सुरेंद्र लखेरा, शेख लाल आरमो एवं आकाश सोनकर सहित अन्य संस्थ उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने शहर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मिली उपलब्धि के लिए नगर निगम के प्रयासों की सराहना करते हुए महापौर एवं निगमायुक्त को बधाई दी।

नेशनल लोक अदालत में 870 प्रकरणों का निराकरण, 2.31 करोड़ के समझौते

सिहोरा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर व्यवहार न्यायालय सिहोरा में नेशनल लोक अदालत आयोजित हुई। शुभारंभ जिला न्यायाधीश संतोष कुमार कोल ने मां सरस्वती की वंदना के साथ किया।

लोक अदालत में पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, चेक अनादरन, राजीनामा योग्य आपराधिक एवं दीवानी मामलों सहित बैंक ऋण, विद्युत, दूरभाष तथा नगर पालिका के संपत्ति व जलकर से जुड़े प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण



किया गया। अदालत में लंबित 1,016 प्रकरणों में से 165 का निराकरण कर 1.45 करोड़ रुपये से अधिक के समझौते हुए। वहीं प्री-लिटिगेशन के 4,016 प्रकरणों में से 705 का निराकरण करते हुए 85.22 लाख रुपये के समझौते

हुए। इस तरह कुल 5,032 प्रकरणों में 870 का निराकरण हुआ और 2.31 करोड़ रुपये की समझौता राशि तय हुई। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मिट्टी के गणेश की बड़ी मांग, पीढ़ियों से जारी है मूर्तिकला की परंपरा

जैन को सूक्ष्म, लघु उद्योग निगम का अध्यक्ष चुने जाने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रोटेरियन विजय गुप्ता, विनय कोपरीहा, अनुराग यादव, योगेंद्र सोनी, राजेश गुलाटी, अभय विष्णोई एवं सचिव असगी तैयबली सहित क्लब सदस्य मौजूद रहे। अंत में अंताक्षरी, मनोरंजक खेलों और रात्रिभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मिट्टी के गणेश की बड़ी मांग, पीढ़ियों से जारी है मूर्तिकला की परंपरा



जबलपुर। गणेशोत्सव को लेकर गोलबाजार में मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की दुकानें सज गई हैं। मूर्तिकार विजय प्रजापति द्वारा भगवान गणेश के साथ दुर्गा माता और महाकाली की आकर्षक प्रतिमाएं भी तैयार की जा रही हैं। विजय प्रजापति ने बताया कि उनके परिवार में मूर्ति निर्माण की परंपरा बुजुर्गों के समय से पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। मिट्टी को आकार देकर प्रतिमाओं को आकर्षक रूप देने में कई दिनों की मेहनत लगती है। गणेशोत्सव के मद्देनजर श्रद्धालुओं में मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। मूर्तिकारों को उम्मीद है कि इस वर्ष भी प्रतिमाओं की अच्छी मांग रहेगी।



CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH I, SHILA (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No JC-677851K Rank - NB SUB NAME PATIL SUNIL SHIVAJI presently, residing at- VILL-KOWAD, PO-KOWAD, THE-CHANDGAD, DISTT-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416508. I, have changed of my name and date of birth from: SHILA and date of birth: 21/03/1991 (name and date of birth as per my HUSBAND, ARMY SERVICE RECORDS) to SHILA SUNIL PATIL and date of birth: 22/03/1991 (name and date of birth as per my AADHAR CARD NO. 9581 9493 4946) vide affidavit dated 12/09/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP).	CORRECT NAME SUSHALVA BASAPPA HONNAPPANAVAR INCORRECT NAME-SUSHILVVA CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1970 INCORRECT DATE OF BIRTH 12/04/1970
CHANGE OF NAME & DATE OF BIRTH I, SHILA (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No JC-677851K Rank - NB SUB NAME PATIL SUNIL SHIVAJI presently, residing at- VILL-KOWAD, PO-KOWAD, THE-CHANDGAD, DISTT-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416508. I, have changed of my name and date of birth from: SHILA and date of birth: 21/03/1991 (name and date of birth as per my HUSBAND, ARMY SERVICE RECORDS) to SHILA SUNIL PATIL and date of birth: 22/03/1991 (name and date of birth as per my AADHAR CARD NO. 9581 9493 4946) vide affidavit dated 12/09/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP).	CORRECT NAME SUSHALVA BASAPPA HONNAPPANAVAR INCORRECT NAME-SUSHILVVA CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1970 INCORRECT DATE OF BIRTH 12/04/1970
CHANGE OF NAME & DATE OF BIRTH I, SHILA (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No JC-677851K Rank - NB SUB NAME PATIL SUNIL SHIVAJI presently, residing at- VILL-KOWAD, PO-KOWAD, THE-CHANDGAD, DISTT-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416508. I, have changed of my name and date of birth from: SHILA and date of birth: 21/03/1991 (name and date of birth as per my HUSBAND, ARMY SERVICE RECORDS) to SHILA SUNIL PATIL and date of birth: 22/03/1991 (name and date of birth as per my AADHAR CARD NO. 9581 9493 4946) vide affidavit dated 12/09/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP).	CORRECT NAME SUSHALVA BASAPPA HONNAPPANAVAR INCORRECT NAME-SUSHILVVA CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1970 INCORRECT DATE OF BIRTH 12/04/1970
CHANGE OF NAME & DATE OF BIRTH I, SHILA (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No JC-677851K Rank - NB SUB NAME PATIL SUNIL SHIVAJI presently, residing at- VILL-KOWAD, PO-KOWAD, THE-CHANDGAD, DISTT-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416508. I, have changed of my name and date of birth from: SHILA and date of birth: 21/03/1991 (name and date of birth as per my HUSBAND, ARMY SERVICE RECORDS) to SHILA SUNIL PATIL and date of birth: 22/03/1991 (name and date of birth as per my AADHAR CARD NO. 9581 9493 4946) vide affidavit dated 12/09/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP).	CORRECT NAME SUSHALVA BASAPPA HONNAPPANAVAR INCORRECT NAME-SUSHILVVA CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1970 INCORRECT DATE OF BIRTH 12/04/1970

नाम परिवर्तन

मैं श्रीमती सदफ जरीन पति मोहम्मद कलाम, निवासी 1154बी, न्यू आनंद नगर रोड, सुब्बाशाह रविन्द्रनाथ टैगोर वाई, जिला जबलपुर उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ। मेरे पासपोर्ट नं. F4081581 में मेरा पुराना नाम SADAF ZARREEN MANSURI लिखा है जो गलत है। जिसे मैंने बदलकर SADAF ZARRIN कर लिया है जो मेरे आधार कार्ड नं.5509 4849 4936 एवं अन्य दस्तावेजों में भी दर्ज है। मुझको इसी नाम SADAF ZARRIN के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।
Incorrect Name:
SADAF ZARREEN MANSURI
Correct Name:
SADAF ZARRIN



राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन में जर्जर इमारत ढहने की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बढहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक ख़ौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है। एक तरह शहरों में तब्दील हो रहे गांव और उनमें बढ़ती आबादी के ज़रूरत अनुसार तमाम सुविधाएं जुटाने और सुरक्षा मुहैया कराने में प्रशासन और स्थानीय निकाय सुस्त पड़े हैं। वहीं किसी भी घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय न होना भी इस समस्या को और विराल रूप दे रही है। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है, जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फूटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

बढ़ती आबादी और सुस्त स्थानीय निकाय



विरलेपण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।

शिक्षक दिवस के अगले ही दिन दिल्ली के सत्य निकेतन की एक इमारत के जमींदोज होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने भारत की शहरी आबादी की सुरक्षा, सहूलियतों और सुविधाओं पर सवाल खड़ा कर दिया है। भारत की सदियों से पहचान उसकी ग्राम और कृषि संस्कृति के लिए रही है। लेकिन आधुनिक आर्थिकी की अपनाने के बाद भारत अपनी इस पहचान को लगातार पीछे छोड़ने की कोशिश में जुटा है। पश्चिम की तरह वह भी शहरीकरण को विकास का मानदंड मान चुका है। देश की बड़ी आबादी कभी मजबूरी के रोजगार तो कभी शिक्षा तो कभी स्वास्थ्य कारणों से लगातार शहरों की ओर पलायन कर रही है। पलायन की इस प्रवृत्ति को प्रतिशत के लिहाज से देखें तो बड़ी भले न लगे, लेकिन विशाल जनसंख्या वाले देश के लिहाज से असल में यह संख्या बहुत बड़ी है। इसका असर शहरी नियोजन और प्रशासन पर भी रोजाना दिखता है।

आंकड़ों की बाजीगरी में इस दबाव की लगातार अनदेखी होती रहती है। इस खेल में शहरी इलाकों में रहने वाली जनसंख्या और उन्हें मिलने वाले छोटे और किसी तरह पेट भर पाने वाले रोजगार को ही विकास का पैमाना मान लिया जाता है। सत्य निकेतन की घटना ने आंकड़ों की इसी बाजीगरी और शहरी नियोजन के साथ ही शहरी निकाय प्रबंधन के बारे में सोचने का अवसर मुहैया कराया है। शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।

शहरों की ओर पलायन

संयुक्त राष्ट्र-हैबिटैट के वर्ल्ड सिटीज रिपोर्ट 2016 के आकलन के मुताबिक भारत की शहरी आबादी 2015 में 42 करोड़ थी। कुछ अनुमानों के अनुसार, साल 2030 तक भारत की 40 फीसद से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने लगेगी, जबकि कुछ अनुमानों में इसे पचास प्रतिशत तक बताया जा रहा है। अगर मौजूदा आंकड़ों के अनुसार मान लें कि करीब 40 फीसद ही आबादी शहरों में रह रही है तो एक सौ पचास करोड़ की जनसंख्या के लिहाज से यह संख्या साठ करोड़ के आसपास बैठती है। यह संख्या अकेले अमेरिका की जनसंख्या से दोगुनी है। लेकिन अर्थव्यवस्था के लिहाज से देखें तो भारत की स्थिति अमेरिका के मुकाबले बेहद कम है। इसलिए उसकी बराबारी कम से कम मौजूदा हालात में संभव नहीं है।

उत्तरीकरण की जिस मौजूदा आर्थिकी को पूरी दुनिया ने अपना रखा है, वह अमेरिका और ब्रिटेन से आई है। इस लिहाज से देखें तो मौजूदा आर्थिकी के प्रभाव में पूरी दुनिया अमेरिका होना चाहती है, लेकिन संसाधनों के संदर्भ में देखें तो ऐसा होना तत्काल संभव नहीं है।



अवैध मकान बनाने की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं

नगर निगम और पुलिस वालों में इतना सहयोग दिखता है कि अगर एक किसी नए निर्माण की सूचना से वंचित रह गया तो दूसरा अपना हिस्सा लेने के बाद उसे सूचित जरूर करता है, ताकि बेईमानी की इस कमाई में आपसी ईमान बना रहे। दिल्ली ही नहीं, देश के तमाम राज्यों में स्थानीय स्तर पर कई गांव भी शहरों में समा गए हैं। लेकिन उनके प्रशासन और नियोजन के लिए स्थानीय निकायों में उस तरह की दिलचस्पी नहीं देखी जाती, जैसी विकसित कॉलोनियों और पौध मोहल्लों के लिए दिखती है। एक यह भी कारण है कि सत्यनिकेतन की बिल्डिंग जैसे कमजोर और अवैध मकान बनाने की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं लग सकती।

दो राय नहीं कि संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के बाद स्थानीय निकायों को वित्तीय और दूसरे अधिकार तो मिले ही हैं, उनके लिए आवंटन भी बढ़ा। लेकिन उन्हें जैसी चुस्ती दिखायी चाहिए, वह उनमें नहीं दिखती। एक बात और है कि शहरी निकाय प्रशासन को कल्पना शक्ति जैसी होनी चाहिए, नजर नहीं आती। इसलिए विकास की दिशा को लेकर वे सचेत नहीं दिखते। सत्यनिकेतन की घटना के बहाने शहरी निकाय प्रशासन की इन चुनौतियों पर खुला विमर्श होना चाहिए, तभी राह निकलेगी और भविष्य में देश के शहर भी अमेरिकी-यूरोपीय शहरों की तरह साफ, चमकीले और नागरिक सुविधाओं से युक्त बन सकेंगे।

उचित सुविधाएं जुटाना कठिन

अमेरिका या यूरोप की तरह शहरों में बसना आज प्राथमिकता हो गई है, सरकारें भी चाहती हैं कि गांवों की तुलना में शहर ही ज्यादा हों। इसकी वजह यह है कि शहरी जनसंख्या और रियायत घनी होती है, ग्रामीण आबादी की तरह बिखरी नहीं होती। इसकी वजह से बिजली और परिवहन जैसी सुविधाएं गांवों की तुलना में शहरी आबादी को कहीं ज्यादा आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है। इस प्रक्रिया में हो ये रहा है कि बेतहाशा बढ़ती शहरी आबादी के लिए उचित सुविधाएं जुटाना ना तो सरकारों के लिए आसान है और न ही शहरी प्रबंधन की जवाबदेही वाले स्थानीय निकाय ही। रहीं बात शहर आने वाले लोगों की तो उनमें बड़ी संख्या कुछ हजार महीने कमाने वालों की है। अपनी छोटी कमाई से वे किसी तरह गुजर-बसर ही करते हैं। शहरों की बड़ी आबादी इसी वजह से सस्ते या कई बार दड़बेनुमा सीलनभरे मकानों और कमरे में ही जिंदगी गुजारने को मजबूर है। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के सामने भी कुछ वैसी ही चुनौतियां हैं। सत्यनिकेतन में मारे गए छात्रों में से ज्यादातर ऐसी ही पृष्ठभूमि से थे।

छात्रावासों की गिगरानी जरूरी

मौजूदा अर्थव्यवस्था के चलते किसी भी राज्य या शहरी निकाय प्रशासन और सरकार के लिए संभव ही नहीं है कि हर व्यक्ति को साफ और उचित घर मुहैया करा सके। केंद्र सरकार के भी वश का नहीं कि हर छात्र को वह स्वच्छ और सहूलियत युक्त छात्रावास और कमजोर आर्थिक आय वाले व्यक्ति को मकान उपलब्ध करा सके। लेकिन सरकारें एक काम जरूर कर सकती हैं। खुले बाजार में उचित दर पर सहूलियत भरे मकान उपलब्ध करने वाले मकान मालिकों और छात्रावास संचालकों की गिगरानी जरूर कर सकती है, लेकिन ऐसा होना नहीं। स्थानीय प्रशासन और स्थानीय निकायों के जवाबदेह ज्यादातर लोगों की गिगाह ऊपरी कमाई पर होती है। दिल्ली के लोगों को पता है कि वे अगर घर बनाना शुरू करते हैं तो नगर निगम का स्थानीय बेलदार मकान मालिक से वसूलने में देर नहीं लगता। कानूनी रूप से अब दिल्ली पुलिस की भूमिका इन मामलों में खत्म कर दी गई है। लेकिन अब भी स्थानीय बीट कॉन्स्टेबल भी निर्माण कार्यों के एवज में वसूली करते हैं।

निकायों की जवाबदेही तय करने का समय



व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

परिवर्तन संसार का नियम है। तरक्की करना व्यक्ति व देश की अनिवार्यता है, लेकिन इसके चलते साइड इफेक्ट का भी ध्यान रखना जरूरी है। भारत तेजी से शहरोंकरण की ओर बढ़ रहा है। गांवों और कस्बों से शहरों की ओर बढ़ती आबादी ने महानगरों पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। सड़कें पहले से अधिक व्यस्त हैं, सीवर व्यवस्था पर बोझ बढ़ रहा है, पेयजल की मांग बढ़ रही है और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी व्यवस्था आज भी काफी हद तक पुराने ढर्रे पर चल रही है। सवाल यह है कि क्या केवल नई सड़कें, फ्लाईओवर और कुछ बड़ी परियोजनाएं बनाकर शहरों को बेहतर बनाया जा सकता है? शकद नहीं। आवश्यकता इस बात की है कि स्थानीय निकायों और शहरी प्रशासन के पूरे ढांचे की समीक्षा की जाए। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत नागरिकों के सबसे नजदीक की सरकार हैं। नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी अधिकांश समस्याएं इन्हीं संस्थाओं से संबंधित होती हैं- सड़क, नाली, सीवर, कूड़ा, स्ट्रीट लाइट, पार्क, पार्किंग और स्थानीय स्तर की स्वच्छता। लेकिन समस्या यह है कि कई बार जिम्मेदारी स्थानीय निकाय की होती है, जबकि निर्णय लेने और धन उपलब्ध कराने की शक्ति किसी दूसरे स्तर पर होती है। परिणामस्वरूप नागरिक विभागों के बीच चक्कर लगाता रहता है। इस व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। जिस संस्था को जिम्मेदारी दी जाए, उसे पर्याप्त अधिकार और वित्तीय संसाधन भी दिए जाने चाहिए। सड़क बने और कुछ दिन बाद फिर खोद दी जाए। हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है। इससे सरकारी धन की बर्बादी तो होती ही है, नागरिकों को भी धूल, जाम, दुर्घटना और जलभराव जैसी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। इसका समाधान एकीकृत शहरी योजना में है। सड़क निर्माण से पहले यह तय होना चाहिए कि अगले कई वर्षों में उस सड़क के नीचे किन-किन सेवाओं की जरूरत पड़ेगी। नागरिक केवल करदाता नहीं, भागीदार भी हैं। शहर में रहने वाला नागरिक केवल संपत्ति कर, पानी का बिल या अन्य शुल्क देने वाला व्यक्ति नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे यह जानने का अधिकार भी है कि उसके क्षेत्र के विकास के लिए किटना धन आया, कहां खर्च हुआ और काम की गुणवत्ता कैसी रही। सूचना का अधिकार नागरिकों को सरकारों रिकॉर्ड और परियोजनाओं से संबंधित जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम देता है। इसी तरह शिकायत निवारण को प्रभावी व्यवस्था नागरिकों को अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का रास्ता देती है। लेकिन अधिकार तभी प्रभावी होंगे जब शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई भी हो। यदि किसी इलाके में महीनों से सड़क टूटी हुई है, नाली जाम है या जलभराव लगातार हो रहा है, तो नागरिक को यह पता होना चाहिए कि इसके लिए जिम्मेदार विभाग कौन है और समाधान की समयसीमा क्या है। आज जरूरत ऐसी व्यवस्था है जो जिसमें हर शिकायत का एक जिम्मेदार अधिकारी, निश्चित समयसीमा और कार्रवाई की स्थिति नागरिक को दिखाई दे। इसके साथ ही नगर निकायों के बजट और परियोजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। जनता को यह जानकारी आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए कि उसके वार्ड में किनाला पैसा स्वीकृत हुआ और उसका उपयोग कहाँ किया गया। वार्ड स्तर पर बड़े नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। शहरी प्रशासन को केवल अधिकारियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। वार्ड समितियों और स्थानीय नागरिक समूहों को प्रभावित बनाया जाना चाहिए। मोहल्ले के लोगों को यह बताने का अवसर मिलना चाहिए कि उनके क्षेत्र की प्राथमिक जरूरत क्या है। कहीं सड़क की जरूरत है, कहीं पार्क की, कहीं पार्किंग की और कहीं जन शिकायतों की। हर इलाके की समस्या एक जैसी नहीं होती। इसलिए स्थानीय जरूरतों के आधार पर स्थानीय योजनाएं बनानी अधिक प्रभावी होंगी। शहरों का भविष्य केवल सरकार नहीं, नागरिक भी तय करेंगे। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फूटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। आखिरकार शहर किसी एक सरकार या विभाग के नहीं होते। शहर वहां रहने वाले नागरिकों के होते हैं। इसलिए शहरी विकास की हर योजना के केंद्र में नागरिक होना चाहिए। यदि सरकार स्थानीय निकायों को अधिकार, संसाधन और जवाबदेही के तीनों रतम मजबूत कर दे, तो शहरों की अनेक बुनियादी समस्याओं का समाधान स्थानी रूप से किया जा सकता है। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है।

हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है।

अदालती चेतावनी को भी कर रहे नजरअंदाज



अनदेखी

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक बहुमंजिला इमारत गिरने की घटना में एक बार फिर साबित कर दिया है कि राष्ट्रीय राजधानी में लापरवाही की कीमत लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। जहां कभी अवैध इमारत ढह जाती है, कभी होटलों में आग लग जाती है, कभी पानी कोचिंग सेंटरों के भीतर घुस जाता है, तो कभी भगदड़ जैसी घटनाएं हो जाती हैं। हर बार जवाबदेही बयानों और कागजों में दबकर रह जाती है। सत्य निकेतन की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बढहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक खौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है। दिल्ली में इमारत गिरने की यह कोई अकेली घटना नहीं है। बीते दो वर्षों में रोहिणी, साकेत, वेलकम, करोल बाग, पहाड़गंज और मुस्तफाबाद के अलावा दिल्ली के कई अन्य इलाकों में इमारत गिरने की घटनाएं हुईं। दिल्ली की एक बड़ी समस्या अनऑथराइज्ड कॉलोनियों भी हैं, जिसकी वजह से आए दिन कोई न कोई हादसा सुनने में आता ही है। इन इलाकों में लंबे समय से मालिकाना हक, सड़क, सीवर और दूसरी बुनियादी सुविधाओं की समस्या रही है। अप्रैल 2026 में सरकार ने 1,511 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों को 'जैसी है, जहां है' के आधार पर नियमित करने का फैसला किया। दिल्ली में समस्या यह नहीं है कि हर घर असुरक्षित है या हर सड़क जानलेवा है। समस्या यह है कि बार-बार होने वाले हादसे व्यवस्था की कमजोरियां सामने ला रहे हैं। एनसीआरबी की एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया (एडीएसआई) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2024 के बीच देशभर में कुल 7,874 लोगों की जान चली गई। इसमें सबसे चिंताजनक स्थिति देश की राजधानी में इस तरह की घटनाओं में मौत के आंकड़ों का बढ़ना



भारतीय शहरों की घनी आबादी और जमीनों की ऊंची कीमत भी निम्न मध्यम वर्गीय लोगों को, जिन्होंने किसी तरह से खुद के लिए छोटे मकान का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण के लिए बाध्य हैं। ऐसे सभी निर्माण, योजना कानूनों को धराशायी कर देते हैं। उन्हें स्थानीय निकायों के तर्फ से नोटिस भी दिया जाता है, परंतु आमतौर पर ऐसे हालातों में स्थानीय प्रबंधन का सहारा ले लिया जाता है, ताकि इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाए। कई धनाढ्य लोगों के लिए, कानून के कोई

क्या इससे जवाबदेही तय होगी? कामकाज में कोई सुधार आएगा? क्या इस कार्रवाई के बाद इमारतें नहीं ढहेगी? यह सिर्फ दिल्ली का नहीं, पूरे देश का मामला है। सरकारें क्या कर रही हैं? अधिकारी कब जागेंगे? आम आदमी की जान की कद्र कब होगी? दुर्भाग्यवश, हमें ईमानदारीपूर्वक ये मानना होगा कि शहरों में अवैध निर्माण के प्रसार पर समूची रोकथाम नहीं लगाई जा सकती है। इनके सतत बढ़त के पीछे कई वजह हैं। जैसे-जैसे हम बढ़ते हैं और घेरा बनाते जाते हैं, ये शहर अपने साथ-साथ समस्याओं में और भी जटिलताएं लाते हैं।



बुनियादी जरूरत

सुरशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

इस समय दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चल रहा है, जिसमें चीन,रूस जैसी महाशक्तियों समेत कुल 21 देशों के प्रमुख एक ही मंच पर दिखाई दे रहे हैं। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। यानी दुनिया की नजरें इस समय दिल्ली पर टिकी हैं। सम्मेलन में वैश्विक साझेदारी, खुले व्यापार या बदलते शक्ति संतुलन की चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ इस राजधानी में नागरिक सुविधाओं को लेकर भी चर्चाएं धमने का नाम नहीं ले रही हैं। आखिर क्यों किसी खास मौके पर ही सरकारी तंत्र सक्रिय हो जाते हैं और यातायात, सफाई व्यवस्था, सुरक्षा तथा पुलिसिंग सब ठीक-ठाक हो जाती है? दिल्ली के नागरिकों की ओर से सरकार के समक्ष यह एक बड़ा सवाल है। कहते हैं कि सस्ती सुविधाओं के लिए सरकार राजधानी शहर में भी सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों से समझौता करती है। सरकार कई मोर्चे पर असफल साबित होती हैं। यातायात, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के अलावा कई बुनियादी जरूरतें हैं जिनमें ढिलाई, भ्रष्टाचार या लापरवाही शामिल हैं। इनके कारण दिल्ली शहर की लगातार बदनामी होती है।

दिल्ली में सत्य निकेतन की घटना में न लोगों की जान चली गई। इनमें ज्यादातर छात्र थे। पांच मंजिला इमारत में नियम-कानून को ताक पर रखकर पीजी चलाया जा रहा था। हालांकि इस घटना में एमसीडी के कई अफसरों को निलंबित कर दिया गया। मकान मालिक को गिरफ्तार किया गया। लेकिन यह सब तब हुआ, जब हादसा हो गई। ऐसे में यह सवाल उठता है कि हादसा होने से पहले प्रशासन नींद से क्यों नहीं जागता? घटना के बाद पड़ताल की जा रही है तो एक के बाद एक ऐसी जर्जर इमारतों का पता चल रहा है, जो बहुत ही खतरनाक हैं। पता नहीं, वह किस दिन गिर जाएं और कई जिंदगियां दफन हो जाएं। इन इमारतों में रहने वाले छात्र, जो देश का भविष्य हैं। उनका जीवन हर पल खतरे के साप में रहता है।



गली-मोहल्लों में अवैध निर्माण कर हॉस्टल बना दिए गए हैं। वहां कोई नियम या सरकार की नीति नहीं है। बेहतर प्रबंधन नहीं। जिम्मेदार महकमों से सौदेबाजी कर जहां-तहां बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी जाती है। इनमें होटल और रेस्टोरेंट भी बिना मानक के चला दिए जाते हैं, जो सरासर गलत है।

संचालक उन्हें मौत का दरवाजा तक दिखा देते हैं। उनकी सुविधाओं का जरा भी ख्याल नहीं रखा जाता। किराया वसूली के लिए काम चलाऊ निर्माण जरूर कर दिया जाता है। सभी जानते हैं कि दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैम्पस के निकट छात्र आवास का सघन बाजार है। निजी पेइंग गेट भी बहुत ज्यादा हैं।

गली-मोहल्लों में अवैध निर्माण कर हॉस्टल बना दिए गए हैं। वहां कोई नियम या सरकार की नीति नहीं है। बेहतर प्रबंधन नहीं। जिम्मेदार महकमों से सौदेबाजी कर जहां-तहां बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी जाती है। इनमें होटल और

कार्यालय ने इस घटना का तुरंत संज्ञान लिया था, लेकिन उस प्रशासनिक छवि का क्या होगा, जो राजधानी शहर में अच्छा होने का दांभ भरते हैं? आखिर, कब तक जर्जर दीवारों के बीच छात्रों का दम घुटना रहेगा? नॉर्थ कैम्पस परिया, लक्ष्मी नगर, रमेश पार्क, राजेंद्र नगर, पटेल नगर, मुखर्जी नगर और मुनिरका जैसे इलाके में भी सत्य निकेतन जैसे हालात हैं जहां पुरानी इमारतें, संकरी गलियां, भीड़ और कमजोर सुरक्षा इंतजाम दिखते हैं। इसलिए सरकार को मास्टर प्लान 2047 से पहले भी दिल्ली में बहुत कुछ करने और बदलने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

कबड्डी में शामिल होने आया खिलाड़ी किशोर डूबा, रेस्च्यू जारी

दुर्ग। जिले के उतई थाना क्षेत्र के सेलुदू भाठापारा स्थित तंदुला नहर में शनिवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। रायपुर के गुडियारी से सेलुदू में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने आए 15 वर्षीय खिलाड़ी शिवम यादव नहर के तेज बहाव में बह गए। घटना के बाद इलाके में हड़कें मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ को जानकारी दी गई। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर शिवम की तलाश में जुट गई है। जानकारों के अनुसार, शिवम यादव प्रतियोगिता स्थल के पास स्थित तंदुला नहर की ओर शौच के लिए गए थे। इसके बाद नहर किनारे हाथ-पैर धोने के दौरान काई और हलाने के कारण उनका पैर फिसल गया। नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण शिवम खुद को संभाल नहीं सके और गहरे पानी में बह गए। शिवम को नहर में बहता देखकर उनके साथी खिलाड़ियों ने तत्काल बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण वे सफल नहीं हो सके। देखते ही देखते शिवम तेज बहाव में लापता हो गए। घटना की सूचना सेलुदू सरपंच ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही उतई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल एसडीआरएफ को जानकारी दी। इसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फिलहाल टीम लगातार नहर में शिवम की तलाश कर रही है।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर हुई चर्चा

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश टोली एवं विभिन्न कार्यक्रमों की टोलियों की बैठक को संबोधित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक को प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं पार्टी के प्रदेश महामंत्री व अभियान के प्रदेश संयोजक राहुल कोठारी ने भी संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री राकेश सिंह, निर्मला भुरिया, विश्वास कैलाश सारंग, इन्दर सिंह परमार, कृष्णा गौर, धर्मेन्द्र सिंह लोधी, नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रतिमा बागरी, राधा सिंह, प्रदेश महामंत्री लता वानखेडे, संभाग प्रभारी डॉ. अभय यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

सदर बाजार इलाके में देर रात हुई घटना लोगों ने भागकर बचाई अपनी जान

हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

सदर बाजार इलाके में शुक्रवार देर रात एक जर्जर इमारत का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। इमारत के आसपास तेज आवाज में डीजे बज रहा था। इसी दौरान भवन का सामने वाला हिस्सा नीचे गिरा। घटना सहेली ज्वेलर्स के सामने स्थित जर्जर भवन की है। इमारत के नीचे पान की दुकान संचालित होती है। भवन का हिस्सा गिरने से पहले ही दुकानदार और आसपास मौजूद लोगों को खतरा का अंदाजा हो गया था, जिसके चलते उन्होंने समय रहते वहां से निकलकर अपनी जान बचा ली।

पुलिस ने रोकी आवाजाही

इमारत का हिस्सा गिरने की सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। किसी व्यक्ति के मरणबोध में दबे होने की आशंका को देखते हुए आसपास का क्षेत्र सुरक्षित कराया गया। एहतियात के तौर पर पुलिस ने कुछ समय के लिए सड़क पर वाहनों की आवाजाही भी रोक दी। राहत की बात यह रही कि देर रात हुई इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने ‘सेवा संकल्प अभियान’ को लेकर की पत्रकार वार्ता

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश भर में चलाए जाने वाले ‘सेवा संकल्प अभियान’ को लेकर शुक्रवार भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित हैं। प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की इस सेवा यात्रा से जन-जन को परिचित कराने और सेवा के संस्कार को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जा रहा है। यह केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, सुशासन और जनभागीदारी का व्यापक अभियान है। प्रधानमंत्री के सेवा-



प्रेस कॉन्फ्रेंस करते डॉ. यादव एवं खंडेलवाल।

संकल्प से प्रेरणा लेकर विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को नई गति देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को धरातल पर उतारने का कार्य मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार कर रही है। मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम के माध्यम से मध्यप्रदेश में दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों के विकास की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है।

नवाचारों-आधुनिक तकनीकों पर केंद्रित प्रदर्शनी का सीएम ने किया शुभारंभ महिलाओं की ओर से संचालित ‘रैपिडो पिंक’ बाइक-टैक्सी को मिलेगा बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

मप्र में स्मार्ट, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी इकोसिस्टम के निर्माण में प्रदेश के नागरिकों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और नवप्रवर्तकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर ‘एमपी मोबिलिटी इनोवेशन चैलेंज 2026’ का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में नवाचारों और आधुनिक तकनीकों पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ और अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री का इंदौर के जनप्रतिनिधियों और बस ट्रांसपोर्ट संचालकों ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में 14 सितंबर को विघ्नहर्ता भगवान गणेश का आगमन होने जा रहा है। स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने गणेश स्थापना के माध्यम से देशवासियों को एकजुट किया था। इसी माह 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस है। उनके नेतृत्व में पहले गुजरात और अब भारत ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनकी दूरदर्शी सोच से पूरा भारत गौरवान्वित है। मोदी सर्वाधिक समय तक शासन करने वाले देश के इकलौते नेता हैं। देशभर से नक्सलवाद की समस्या खत्म हुई है। मप्र लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला देश का पहला राज्य है।

◆ स्मार्ट और ग्रीन मोबिलिटी की ओर मध्यप्रदेश के कदम : इंदौर समिट में कनेक्टिविटी और नवाचारों पर हुआ मंथन



एमपीवायपी आईएल और रेपिडो के बीच एमओयू का आदान प्रदान हुआ।

◆ प्रदेश में सुरक्षित, सुलभ, किफायती और तकनीकी सक्षम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मिलेगी नई गति

परिवहन सेवा उपलब्ध कराने का

एका मोबिलिटी, पुणे के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुशील मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रदेश में सुगम परिवहन सेवा उपलब्ध कराने का विजन प्रशंसनीय है और इसी दिशा में यात्री परिवहन विजन समिट का आयोजन महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि एका मोबिलिटी द्वारा मध्यप्रदेश में चौथे प्लॉट के रूप में पंथमपुर में इलेक्ट्रिक बस निर्माण का संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिसका कार्य मात्र 14 माह में पूर्ण किया गया है। इस संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 5 हजार ई-बसों की होगी, जो प्रदेश के औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूत करने के साथ सुगम एवं आधुनिक परिवहन व्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सीएम ने नवाचार और नवीन ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर केंद्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में यात्री परिवहन विजन समिट-2026 के दौरान तकनीक, नवाचार और प्रदेश के नवीन ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में ही यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में बस निर्माताओं, आईटी कंपनियों, वित्तीय संस्थानों एवं अन्य उद्योगों के साथ प्रदेश के विभिन्न शासकीय निर्माणों की गतिविधियों और नवाचारों पर आधारित इंडस्ट्री एक्सपोजे का भी उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्सपोजे में विभिन्न कंपनियों की ओर से प्रदर्शित बसों का अवलोकन किया तथा उनके फीचर्स और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी में ट्रांसपोर्ट



नेटवर्किंग एवं एक्सपोजे का शुभारंभ किया।

सिस्टम परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई कंपनियों और संस्थानों ने सहभागिता की। प्रदर्शनी में कंपनियों ने अपनी तकनीक, सेवाओं, उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन किया।

आसपास मौजूद चार बाइक-सामान जला तेज रफ्तार ट्रक बेकाबू होकर सड़क किनारे मकान में घुसा

हरिभूमि न्यूज़►►रायगढ़

जिले के खरसिया थाना क्षेत्र में देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक बेकाबू होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान में जा घुसा। हादसे से पहले ट्रक ने 11 केबी बिजली खंभे को जोरदार टक्कर मारकर तोड़ दिया। इसके बाद ट्रक मकान से जा टकराया और कुछ ही देर में उसमें आग लग गई।

घटना रायगढ़ चौक के पास की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक घटना रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच हुई। सीमेंट के खंभों से लदे ट्रक को चालक तेज रफ्तार और कथित लापरवाही से चला रहा था। बिजली खंभे को

आरोपी चालक गिरफ्तार, पुलिस कर रही घटना की जांच तेज रफ्तार स्कूल बस की चपेट में आने से कक्षा दूसरी की मासूम छात्रा की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज़►►कोरिया

सोनहत थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धनपुर बस्ती में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार स्कूल बस की चपेट में आने से दूसरी कक्षा की मासूम छात्रा की मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना के बाद से पूरे इलाके में मादम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धनपुर बस्ती की रहने वाली मासूम बच्ची प्रिंशी रोज की तरह सुबह अपने घर से स्कूल जाने के लिए

‘सेवा संकल्प अभियान’ सुशासन, संस्कार सेवा व जनभागीदारी का व्यापक अभियान

71 हजार से अधिक बूथों के लाभार्थियों तक पहुंचेगी भाजपा: खंडेलवाल

प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने कहा कि पीएम मोदी के सेवा व समर्पण के 25 वर्ष जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जाएगा। भाजपा ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिए 71 हजार से अधिक बूथों के लाभार्थियों तक पहुंचेगी। 17

सितंबर को प्रधानमंत्री का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। 17 सितंबर को शाम सात बजे प्रदेश के 71 हजार से अधिक बूथों के हर लाभार्थियों के घरों में आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित किया जाएगा। 07 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

प्रदेश के सभी 11404 शक्ति केंद्रों पर सेवा की कहानियां करेंगे साझा

खण्डेलवाल ने कहा कि प्रदेश के सभी 11404 शक्ति केंद्रों में सेवा की कहानी कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री जी की योजनाओं के लाभार्थियों की न्यूनतम 10-10 वास्तविक कहानियां (रीलस) को सोशल मीडिया पर साझा किया जाएगा। 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हर जिले और गांव में

पदयात्रा, साइकिल व बाइक रैलियां निकाली जाएंगी, जो एक मुख्य स्थल पर मिलकर ‘विकसित भारत-2047’ का सामूहिक संकल्प लेगी। गुजरात के चडनगर स्थित हाटकेश्वर महादेव का जलमिषेक कर 250 बाइकों पर 500 यात्री जल लेंडर वाराणसी (काशी विश्वनाथ) के लिए 10 अलग-अलग समूह में प्रस्थान करेंगे।

प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने की समीक्षा

‘जन विश्वास अभियान’ में डोर-टू-डोर सर्वे कर शिकायतों का करें निराकरण

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बैतूल वृत्त का मैदानी दौरा कर विद्युत वितरण व्यवस्था, राजस्व संग्रहण, अधोसंरचना विकास कार्यों एवं उपभोक्ता सेवाओं की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही कंपनी के राजस्व में सुधार के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गर्ग ने जन विश्वास अभियान की तैयारियों और कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिष्टियों से पहले क्षेत्र में डोर-टू-डोर सर्वे किया जाए। सर्वे के दौरान उपभोक्ताओं की मोटर, बिलिंग एवं अन्य विद्युत संबंधी समस्याओं की जानकारी एकत्र कर उनका शिष्टियों में प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

राजस्व संग्रहण की समीक्षा करते हुए प्रबंध संचालक ने अधिक बकाया वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण में लापरवाही या असंतोषजनक कार्य प्रदर्शन पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने लाइनों एवं ट्रांसफार्मरों के नियमित रख-रखाव, लाइन पेटोलिंग तथा विद्युत लाइनों के आसपास पेड़ों का खराबों की समय पर कटाई-छंटाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बच्चों ने बनाई हाथों से भगवान गणेश की प्रतिमाएं, मुख्यमंत्री को की भेंट

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन, सीहोर के विशेष बच्चों द्वारा अपने हाथों से मिट्टी से निर्मित भगवान श्री गणेश की सुंदर प्रतिमाएं भेंट कीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं

प्रदेश अध्यक्ष ने बच्चों की प्रतिभा और उनके प्रयासों की सराहना की एवं बच्चों द्वारा निर्मित गणेश प्रतिमाओं के विक्रय एवं प्रदर्शन के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्टॉल लगाने की अनुमति भी प्रदान की। इस अवसर पर संस्था की संरक्षक गुंजन चौकसे एवं संस्था के अध्यक्ष अर्जुन सिंह उपस्थित रहे।

मंत्री कृष्णा गौर ने किया भूमि पूजन

संतोषी विहार में 1.43 करोड़ के विकास कार्यों को मिली रफ्तार

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 68 में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक एवं मंत्री कृष्णा गौर ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। करीब 1.43 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले इन विकास कार्यों की कड़ी में संतोषी बिहार कॉलोनी स्थित मंदिर में पेंचिंग ब्लॉक लगाने, मंदिर की छत के सुधार तथा सामने की मुख्य सड़क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया।

भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद कॉलोनी के प्रमुख उमेश गौतम एवं मंजू गौतम के निवास पर मंत्री कृष्णा गौर का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस दौरान क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर स्थानीय लोगों ने अपनी बात भी रखी।



कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद उर्मिला मौर्य, जिला उपाध्यक्ष भीकम सिंह बघेल, इंद्रपुरी मंडल अध्यक्ष लवकुश यादव, पार्षद वार्ड शिरोमणी शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माता-निदेशक मंजू उमेश गौतम, लक्ष्मी ठाकुर, कॉलोनी अध्यक्ष वीरेंद्र त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

आरोपी चालक गिरफ्तार, पुलिस कर रही घटना की जांच

तेज रफ्तार स्कूल बस की चपेट में आने से कक्षा दूसरी की मासूम छात्रा की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज़►►कोरिया

सोनहत थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धनपुर बस्ती में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार स्कूल बस की चपेट में आने से दूसरी कक्षा की मासूम छात्रा की मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना के बाद से पूरे इलाके में मादम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धनपुर बस्ती की रहने वाली मासूम बच्ची प्रिंशी रोज की तरह सुबह अपने घर से स्कूल जाने के लिए

दिया। डॉक्टरों ने अस्पताल लाते ही उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की सूचना मिलते ही सोनहत थाना पुलिस बिना किसी देरी के मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर अपनी रिश्त में ले लिया है। पुलिस प्रशासन ने पीड़ित परिवार को उचित वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री का बंगला घेरने का प्रयास, युवा कांग्रेस की पुलिस से झड़प

युवा कांग्रेस ने कहा- वेंटिलेटर पर मप्र की स्वास्थ्य व्यवस्था, स्वास्थ्य मंत्री को देना चाहिए इस्तीफा

स्वास्थ्य मंत्री पर जवाबदेही से बचने का आरोप



प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी।



प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी।

बदहाली के कारण आम लोगों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ रहा है। घनघोरिया ने रीवा से लेकर भोपाल तक स्वास्थ्य सेवाओं

को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि स्वास्थ्य मंत्री अपनी जवाबदेही से बच रहे हैं।

कैरेटलेन ने गरियाहाट में खोला नया फ्लैगशिप स्टोर

पूर्वी भारत में विस्तार को मिली रफ्तार, पश्चिम बंगाल में स्टोर्स की संख्या 35 करने का लक्ष्य



कोलकाता। टाटा समूह के प्रमुख ओम्नीचैनल ज्वेलरी ब्रांड कैरेटलेन ने कोलकाता के गरियाहाट में अपना नया फ्लैगशिप स्टोर शुरू किया है। तीन मंजिला यह स्टोर आधुनिक ज्वेलरी डिजाइन के साथ कोलकाता की संस्कृति और स्थानीय पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

स्टोर की शुरुआत पारंपरिक ‘कोल-ब्रेकिंग’ रस्म के साथ हुई। कंपनी के अनुसार, यह नया स्टोर

ग्राहकों को रोजमर्रा पहनने, उपहार और खास अवसरों के लिए आभूषणों की विस्तृत रेंज के साथ बेहतर ओम्नीचैनल शॉपिंग अनुभव उपलब्ध कराएगा। कैरेटलेन के मैनेजिंग डायरेक्टर सौमेन भौमिक ने कहा कि कोलकाता कंपनी के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। गरियाहाट का नया स्टोर शहर की संस्कृति और आधुनिक डिजाइन के प्रति ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखकर बनाया

गया है। कंपनी के देशभर में 388 से अधिक स्टोर्स हैं, जिनमें पूर्वी क्षेत्र के 69 स्टोर्स शामिल हैं। पश्चिम बंगाल के 11 शहरों में फिलहाल 31 स्टोर संचालित हैं, जिन्हें बढ़ाकर 35 करने की योजना है। आने वाले महीनों में पूर्वी क्षेत्र में 5-7 नए स्टोर खोलने की भी तैयारी है। उत्पाद विस्तार के तहत कंपनी ने हाल ही में ‘काशिका’ और ‘पोल्की’ कलेक्शन पेश किए हैं। इसके अलावा युवा ग्राहकों को

आकर्षित करने के लिए ‘शाया डायमंड्स’ और 9-कैरेट गोल्ड ज्वेलरी कलेक्शन भी लॉन्च किया गया है। कंपनी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कैरेटलेन ने 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि खरीदारों की संख्या में 28 प्रतिशत इजाफा हुआ। कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2026-27 में देशभर में 40-50 नए स्टोर जोड़ने की है।

भारत वाले ‘गोंडवाना’ महाद्वीप के 80 करोड़ साल पुराने फिंगरप्रिंट मिले

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों को प्राचीन भू-भाग गोंडवाना के काफी महत्वपूर्ण अवशेष मिले हैं और उन्होंने पुष्टि की है कि यह एक सुपरकॉन्टिनेंट था। इस खोज से पता चला है कि गोंडवाना बहुत विशाल था और पृथ्वी के कुल भू-भाग का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा इसी का था। यह दक्षिणी गोलार्ध में 800 से 500 मिलियन साल पहले बना था और पृथ्वी पर जटिल जीवन के विकास में इसने अहम भूमिका निभाई थी। 9 सितंबर को ‘साइंस एडवांसेज’ में छपी एक स्टडी में बताया गया है कि गोंडवाना की सीमाओं का पता लगाने के लिए 25,000 से ज्यादा प्राचीन चट्टानों को इकट्ठा किया गया। अब तक यह माना जाता था कि यह पृथ्वी के दो-तिहाई हिस्से में फैला हुआ था, लेकिन अब पता चला है कि यह पृथ्वी के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में फैला था।

धरती के इतिहास की सबसे बड़ी खोज!



अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से हुई यह खोज
रिपोर्ट के मुताबिक कैम्ब्रियन विस्फोट जो लगभग 538 मिलियन साल पहले हुआ था और जिसकी वजह से पृथ्वी पर जटिल जीवन पनपा वह गोंडवाना के बनने की वजह से हुआ था। स्टडी करने वाले लेखकों ने कहा कि इससे पता चलता है कि पृथ्वी के अंदर गहराई में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं की वजह से ही आज हमारे आस-पास दिखने वाला ज्यादातर जीवन अस्तित्व में आया है। इससे पहले अरबों सालों तक हमारे वह पर सिर्फ साधारण माइक्रोबियल जीव ही मौजूद थे। यह खोज ‘डीप-टाइम डिजिटल अर्थ’ नाम के एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग से हुई। इस ग्रुप ने इस इलाके से हजारों मैग्नेटिक चट्टानें इकट्ठा कीं और उनसे बनने की प्रक्रिया को समझने के लिए एक डेटाबेस बनाया। टीम ने यह पता लगाने के लिए एआई और दूसरी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया कि ये चट्टानें कब और कहाँ बनी थीं।

पृथ्वी पर बिखरी हुई थीं गोंडवाना चट्टानें

वैज्ञानिकों को पता चला है कि करोड़ों सालों की टेक्टॉनिक एक्टिविटी की वजह से गोंडवाना के टुकड़े टुकटुक पूरी दुनिया में फैल गए थे। समेरियम और नियोडिमियम एलिमेंट के आइसोटोप गोंडवाना के ‘फिंगरप्रिंट’ के तौर पर सामने आए और ये नई चट्टानों के अंदर मिले। वैज्ञानिक कॉलिनस ने ‘समेरियम-नियोडिमियम आइसोटोप मैप’ को एक टाइम मशीन कहा जो उन्हें अतीत में ले जाती है। उन्होंने कहा टेक्नाकी खास जगह वाली बनावट हमें 50 करोड़ साल पहले बने एक पुराने महाद्वीपीय भू-भाग को पहचानने में मदद करती है। कैम्ब्रियन विस्फोट से पहले पृथ्वी ठंडी थी। जिन जियोलाजिकल प्रक्रियाओं ने गोंडवाना को आकार दिया, उन्हीं से ‘रिंग ऑफ फायर’ भी बनी। इससे वातावरण में भारी मात्रा में ज्वालामुखी गैसें निकलीं जिससे पृथ्वी गर्म हो गई।

इंसानों की नौकरी बचाने के लिए प्रदर्शन करने लगे रोबोट, लोग बोले- भगवान का शुक है...

पोलैंड। एआई और रोबोट ने आज पूरी दुनिया को बदल कर रख दिया है। एआई की वजह से लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है और कई बड़ी टेक कंपनियाँ से हजारों लोग नौकरी से बाहर किए जा चुके हैं। ऐसे में एआई और टेक्नोलॉजी की वजह से जब लोगों की रोजी-रोटी पर संकट में आया तो रोबोट्स सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने उतर आए। रोबोट्स का यह विरोध प्रदर्शन एआई पर भजनबूज निगरानी के लिए कानून बनाने की माँग को लेकर था।

राशिफल

मेघ मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेगा।

मिथुन कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेगा। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेगा। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेगा। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते

शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

48 घंटे की अपटाइम गारंटी और iMAXX 2.0 तकनीक से लैस, मुनाफा बढ़ाने पर फोकस महिंद्रा ने लॉन्च किया ब्लेजो आई-टीआरके

कोलकाता। महिंद्रा ट्रक एंड बस ने नया ब्लेजो आई-टीआरके लॉन्च किया है। कंपनी के मुताबिक, यह अगली पीढ़ी का हवी कमर्शियल ट्रक ट्रांसपोर्टर्स और फ्लीट मालिकों को बेहतर माइलेज, अधिक उत्पादकता, कम परिचालन लागत और स्मार्ट फ्लीट मैनेजमेंट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

ब्लेजो आई-टीआरके में 320 एचपी एम्पावर इंजन दिया गया है। लंबी दूरी के संचालन को आरामदायक बनाने के लिए इसमें कॉम्फ़ीमेक्स सरस्पेंडेंट सीट, ईजीक्रूज क्रूज कंट्रोल, ब्ल्यूथूथ म्यूजिक सिस्टम और प्रीमियम एसी केबिन जैसे फीचर्स शामिल हैं।

48 घंटे में सड़क पर वापसी का भरोसा- ट्रक को महिंद्रा के सर्विस एग्शेरेंस प्रोग्राम का सपोर्ट मिलेगा। कंपनी ने उद्योग में पहली बार 48 घंटे की अपटाइम गारंटी का दावा किया है। तय समय में वाहन सड़क पर वापस नहीं आने पर ग्राहक को 10 हजार रुपये प्रतिदिन तक का मुआवजा



मिलेगा। इसके साथ ही 250 महत्वपूर्ण पार्ट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने वाली पार्ट्स सप्लाय गारंटी भी दी गई है।

iMAXX 2.0 से स्मार्ट फ्लीट मैनेजमेंट- ब्लेजो आई-टीआरके में महिंद्रा का iMAXX 2.0 कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म दिया गया है। इसके जरिए रियल-टाइम व्हीकल

ट्रैकिंग्स, प्रेडिक्टिव डायग्नोस्टिक्स, ड्राइवर बिहेवियर मॉनिटरिंग और सर्विस मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं मिलती हैं। कंपनी ने फ्लीट मालिकों के लिए नाउ 24x7 मोबाइल ऐप भी पेश किया है, जिसके जरिए ब्रेकडाउन सहायता, सर्विस हिस्ट्री, स्पेयर पार्ट्स ऑर्डर और सर्विस अपॉइंटमेंट जैसी सुविधाएं मोबाइल से हासिल की जा

सकेंगी। लॉन्च के अवसर पर महिंद्रा ग्रुप के ग्रुप एजीक्यूटिव बोर्ड के सदस्य और ट्रंस एंड बसेस के प्रेसिडेंट विनोद सहाय ने कहा कि ब्लेजो आई-टीआरके इंटीलेजेंट ट्विंकिंग की दिशा में कंपनी का महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी के अनुसार, यह ट्रक पांच वर्षों में प्रति वाहन 15 लाख रुपये तक अतिरिक्त मुनाफे की क्षमता रखता है।

33 साल में घूमे 233 देश, इस बिजनेसमैन ने ऐसे पूरा किया दुनिया घूमने का सपना

दुनिया भर की करेसी दान कर दिया अनोखा संदेश



अपनी यात्राओं के दौरान चेन ने केवल फेमस जगहें नहीं देखीं, बल्कि वहां के कल्चर को भी समझा। उन्होंने 198 देशों की करेसी इकट्ठी की और उसे फेमस चाइनीस एक्सचेंज ट्रिप शु ज्याके मेमेोरियल हॉल को दान कर दिया।

चेन का कहना है कि, ‘काम हो या ट्रिप, लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। दुनिया घूमने की खाहिश रखने वालों को सलाह देते हुए वो कहते हैं कि, ‘इंतजार मत कीजिए, समय किसी का इंतजार नहीं करता।’

बेचना है

बेचना है – बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें - 7898855268 (बिलासपुर/05/ अक्ट्.)

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंध निभाग

(ई निविदा सूचना संख्या वरि: मंडार आर्पुर्ति हेतु वरि: मंडल सा. प्रबंध/ई.पी.एस/52/2026)

वरि: म. सा. प्रब-प. म. र. भारत के राष्ट्रपति कि ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदायें आमंत्रित करती है। इसमें हस्तालिखित डाक प्रत्याव स्वीकार नहीं किये जायेंगे। पूर्ण विवरण विनिर्देशन के लिए <https://irpe.gov.in> पर ई निविदा की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। **Sr.No. : 01, Tender No. : 94255767C, Short Description : Supply and Fitment of SS metal Trough Floor below RMPU. 40 coach set., Tendered Qty : 40 CSET, Opening Date : 05.10.2026.**

(हस्ता.)

वरि: मंडल सामग्री प्रबंधक पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सबसे अमीर बिल्ली नाला कैट... 839 करोड़ की मालकिन

दुनिया में एक ऐसी बिल्ली है, जो 839 करोड़ मालकिन है। दुनिया की सबसे अमीर बिल्ली को सोशल मीडिया पर लाखों लोग फॉलो करते हैं। यह पढ़कर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह पूरी तरह से सच है। इसका नाम नाला कैट है, जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। सोशल मीडिया पर एक बड़ा नाम और स्लोबल ब्रॉड बन है। नाला की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसे इंस्टाग्राम पर 42 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। नाला का शुरुआत जीवन बेहद सामान्य था और वह कैलिफोर्निया के एक पैनमल शेल्टर होम रहती थी। साल 2010 में नाला सिर्फ पांच महीने की थी, तो उसे वॉरिसरी मेथाचिट्टीफन ने गोद लिया था।

पश्चिम मध्य रेल

यात्रिक शाखा

निविदा सूचना क्र JBP-M-Tender-23A-2026

खुली निविदा, दिनांक: 10/09/2026

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल यात्रिक अभियंता (फ्रेट)/नकज, आर.ओ. एच. डिपो कानज, पश्चिम मध्य रेल, के द्वारा आमंत्रित की जाती है :- निविदा सूचना क्रमांक दिनांक: JBP-M-Tender-23A-2026, Dated 10/09/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : फ्रेट यार्ड एनकेजे में वॉल्किंग मरम्मत कार्य की आउटसोर्सिंग, कार्य का विज्ञापित मूल्य रुपये: 24518463.84, बयाना राशी रुपये: 490400.00, सामगण की अवधि : 24 माह, निविदा क्लोजिंग तिथि एवं समय: 05-10-2026, 15:00 Hrs उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेब साईट <https://irpe.gov.in> पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यात्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चपरा की गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। (हस्ता.)

क्ते मंडल रेल प्रबंधक (यात्रिक) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय:- कार्यापालन यंत्री, ग्रामीण यात्रिकी सेवा संभाग क्रमांक 02 बालाघाट (म.प्र.)

e-mail :- eeresbalaghat2@mp.gov.in, Ph No. 07632-241864

क्रमांक 2549/निविदा/प्रायासे-2/2026-27 निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 09/2026-27 बालाघाट दिनांक 09-09-2026

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से दो लिफाफा पद्धति के आधार पर ग्रामीण यात्रिकी सेवा के अधिकारिक पोर्टल <http://www.mptenders.gov.in> पर मध्यप्रदेश सरकार के केन्द्रीयकृत पजीवन पद्धति में अथवा अन्य वायों/केन्द्र सरकार के कार्य विभागों/उपक्रमों/संस्थाओं/प्राधिकरण में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभाग द्वारा जारी टेडर डाक्यूमेंट अधिविस् 2.10 एवं संसोधन पर निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन मोहवरद प्रतिसात दर दो लिफाफा पद्धति से ग्रामीण यात्रिकी सेवा की दिनांक 11/04/2022 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विस्तार जारी होने की दिनांक तक संशोधित) के आधार पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेडर नंबर	कार्य का नाम	विकास खंड	निविदा की अनुमानित लागत	अमानत राशि	कार्य अवधि	निविदा प्रपत्र क्रम	आमंत्रण का क्रमांक	ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2026_RES_534414	ग्राम पंचायत झालीवाडा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	वारासिन्धी	1239000	24780	4 माह वर्षा काल सहित	2000	प्रथम	केन्द्रीय कुत पजीयन प्रणाली

कुल योग 1239000 (शब्दों में-बारह लाख उनवालीस मात्र)

1.	निविदा संबंधी तिथियां (Key Dates)	Date	Time
1. <td>Purchase of Tender Start Date</td> <td>15-09-2026</td> <td>From 10.00 AM</td>	Purchase of Tender Start Date	15-09-2026	From 10.00 AM
2. <td>Purchase of Tender End Date</td> <td>22-09-2026</td> <td>To 06.00 PM</td>	Purchase of Tender End Date	22-09-2026	To 06.00 PM
3. <td>Bid Submission Start Date</td> <td>15-09-2026</td> <td>From 10.00 AM</td>	Bid Submission Start Date	15-09-2026	From 10.00 AM
4. <td>Bid Submission End Date</td> <td>22-09-2026</td> <td>To 06.00 PM</td>	Bid Submission End Date	22-09-2026	To 06.00 PM
5. <td>Envelope A Open Date</td> <td>25-09-2026</td> <td>From 02.00 PM</td>	Envelope A Open Date	25-09-2026	From 02.00 PM
6. <td>Envelope C Open Date</td> <td>28-09-2026</td> <td>From 03.00 PM</td>	Envelope C Open Date	28-09-2026	From 03.00 PM

उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं दिनांक/समय की अनुसूची/अन्य जानकारीयें वेबसाईट <http://www.mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है। उपरोक्त निविदा के निविदा प्रपत्र विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं दिनांक/समय की अनुसूची/अन्य जानकारीयें वेबसाईट <http://www.mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है। नोट:-1. यदि निविदा में किसी प्रकार का संशोधन किया जाता है वह प्रकाशित नहीं किया जाएगा। किया गया संशोधन वेबसाईट <http://www.mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।

“स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता” (मनोज कुमार धुर्वे) कार्यापालन यंत्री ग्रामीण यात्रिकी सेवा, संभाग क्रमांक 02 बालाघाट (म.प्र.)

G-18488/26

शब्द पहेली - 6346							
1	2	3	4	5	6	7	8
9		10		11	12	13	14
	15		16		17	18	19
21		22		23		24	25
	26		27				
28	29		30		31	32	33
	34	35		36		37	38
40							
	41	42		43		44	45
47	48		49	50		51	52
	53	54		55	56		57
59		60	61		62	63	64
					65		
66					68		69

बाएँ से दाएँ
1. होत, अधर-2
3. बड़ी सवारी गाड़ी-2
5. खेर-2
7. खेर रंग का-2
9. शक, संदेह-3
11. विस्फोटक -2
13. बड़ी नाली-2
15. नमस्कार, नमस्ते-3
17. प्राण-2
19. लक्ष्मी, कमला-2
22. बुल, दम-3
24. ठाठ-बाट-2
26. पिता-2
28. कसर-2
30. कुमारी, तरुणी-3
32. जी, चित-2
34. नाखून-2
36. पढ़ने वाला-3
38. उद्देश्य-2
41. मोटा आटा-2
43. नामित-3
45. नर का विलोम-2
47. उर्वरक-2

49. भीगा हुआ-2
51. गिरली वस्तु-3
53. मनमौजी-2
55. सम्मान-2
57. ले जाने वाला-3
60. आनंद, मजा-2
62. दोस्त, सखा-2
64. निर्माण-3
66. सदैव, हमेशा-2
67. नेत्र, नयन-2
68. आकाश, गगन-2
69. लाख, गौद-2
ऊपर से नीचे
1. प्यार (अंग्रेजी-2)
2. भगिनी, दीदी-3
4. सभी-2
6. गीत गायन-2
8. मार्ग, रास्ता-2
10. मां का दुलारा-3
12. आनंद, रस-2
14. थूक, लेस-2
16. अनुकृति-3
18. सरुर, खमार-2
20. मां, मदर-2

21. ब्रणेंद्रिय-2
23. चरण तल-3
25. भीगा हुआ-2
27. देह, काया-2
29. मछली-2
31. गूल्य करना-3
33. टैटी, नलका-2
35. गधा, गर्दभ-2
37. कटि-3
39. माफी-2
40. दोस्त, मित्र-2
42. बायु गैस-2
44. कॉफी-3

शब्द पहेली- 6345 का हल

ल	ज	ज	त	दा	र	क	त	ब
म	त	क	क	ज	त	ल	च	र
न	क	च	म	त	न	य	ज	
भा	जी	दा	र	प	ल	म	द	व
व	च	आ	अ	द	न	र		
न	ज	र	ब	द	का	न	भ	र
मी	र	न	र	अ	इ	म		
अ	न	ल	क	र	अ	क	व	र
म	त	क	क	त	र	ना	ख	
रु	ठ	ठ	ल	वा	दा	आ	ना	
द	म	दा	र	स	व	ज	ना	

सूडोकु बकवाल- 6356 * * * * *

8	4	3	9	7	5	6	
3					2		
	7	6	5				4
9	6		5		1	7	
5		1	4	9	8		2
4		8				5	3
2				6	1	4	
7		9	8	3	5	6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हल नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु बकवाल- 6355 का हल

7	8	4	9	5	2	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5
1	3	5	7	8	6	2	4
4	2	3	6	1	5	9	7
8	5	9	2	4	7	1	3
6	7	1	3	9	8	4	2
3	1	7	8	6	4	5	9
5	9	6	1	2	3	7	8
2	4	8	5	7	9	3	6

MANGAL SENAPATHA, BANGALORE



आवरण कथा
यामिनी गजानन रामपल्लीवार

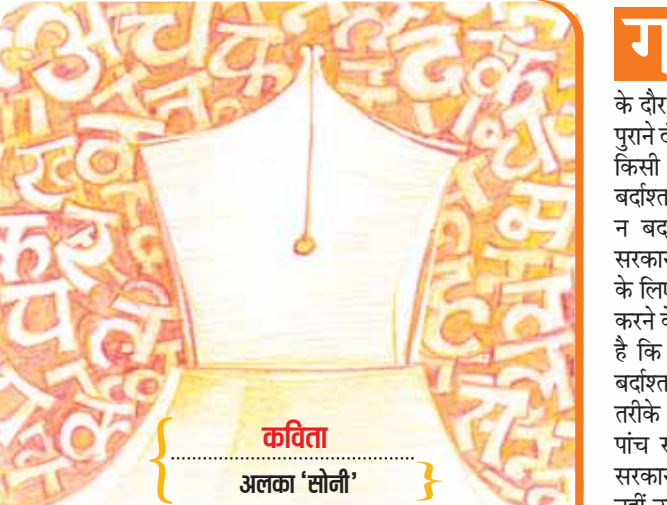
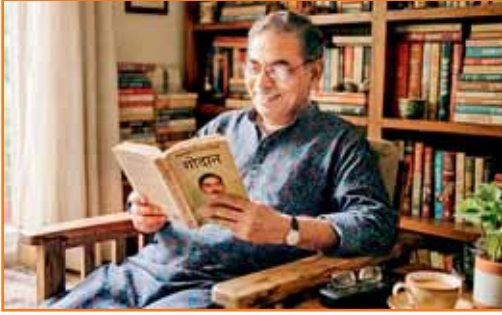
भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रुककर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, ‘हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तान हमारा।’ तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पंक्ति आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।

शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साझी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।



कविता
अलका 'सौनी'

जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर पढ़े जाने से पहले, भाषणों में, कहीं सुने जाने से पहले, गूंजी थी वो मेरे कानों में। जैसे गूंजी थी अभिमान्यु के कानों में चक्रव्यूह भेदने की कला। फिर अकसर गूंजती री रही वो, मां की आवाज में। लोरी में, और पिता की डांट में छिपे दुलार में भी। और उनके कई अनकहे भय के बीच, लैसला देने वाले संसार में भी। उसने तब भी गले लगाया था मुझे जब मैं नहीं जानती थी उसके व्याकरण का कोई नियम। क्योंकि यह उसके और मेरे बीच के

उन रिश्तों की गर्माहट है, जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता कोई शब्दकोश। वो मेरे आंगन में बिखरी सुहर की धूप है। सर पर बनी रहने वाली, मगता की छांव है। दादी की कलनी में हर बार आता हुआ कोई पुराना गांव है। वो और कोई नहीं मेरी हिंदी है। जिसमें बसी है कबीर की निर्भीकता, तुलसी की लोक-गंध की खुशबू प्रेमचंद के पात्रों का संघर्ष, महादेवी की करुणा, और निराला की विद्रोही चेतना। क्योंकि मेरी हिंदी ने बनाया है राजमहलों से अधिक जन-मन में अपना घर।

विशेष: हिंदी दिवस, 14 सितंबर

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी

समावेशी भाषा है हिंदी यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विडंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट कार्यालयों में, महानगरों की पार्टियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुसकुराई और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?'

उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल



की जा सकती, उसी तरह अपनी भाषा से कटकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखने की कल्पना भी अधूरी रह जाती है। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए और इसके लिए किसी बड़े आंदोलन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता है। घर के भीतर बच्चों से हिंदी में बात करना, कार्यस्थल पर जहां संभव हो वहां हिंदी को सहजता से अपनाना, हिंदी साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की मजबूरी न मानकर आनंद के लिए साहित्यिक किताबें पढ़ना, ऐसे ही अनेक छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

संकल्प लेने का दिन हिंदी दिवस

आज जब हिंदी दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों में औपचारिक समारोह होंगे, भाषणों में हिंदी की महिमा गाई जाएगी, तब यह प्रश्न स्वयं से पूछना जरूरी है कि क्या हमने इस भाषा को अपने दैनिक जीवन में उतना सम्मान दिया, जितना वह हकदार है। हिंदी को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक दिन या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसे अपनी भाषा मानता है। हिंदी दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, संकल्प का दिन बने, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक हम अपनी भाषा बोलने में गर्व का अनुभव नहीं करेंगे, तब तक उसकी समृद्ध विरासत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल उत्सव नहीं, आत्मनिरीक्षण भी करें और अपनी भाषा को उसका वास्तविक सम्मान लौटाएं।

खंगर / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे जाए-जाए तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं



लुटेरों, बदमाशों, उठाड़ीगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, रिश्तखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला असरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है।

परीक्षा

हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय मैं पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आईं। पापा निहाले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्षा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुंह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रीबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्षा में बैठ गईं। मुझे लगा पुलिस इम्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है।

—हरिश कुमार 'अमित'

विशेष: गणेश चतुर्थी

परंपरा-आस्था का संगम महापर्व गणेशोत्सव



सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अध्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है।

तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहल: गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया। ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'वर्नाकुलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सम्मेलनों में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और समाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांति का प्रतीक बन गया।

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

सूर्यवंशी या सैमसन?

अफगानिस्तान के खिलाफ चयन की दुविधा

एजेसी ►► नई दिल्ली

अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को 3 मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में भारत के सामने दुविधा होगी कि 'वंडर ब्रॉय' वैभव सूर्यवंशी को उतारा जाए या संजू सैमसन के अनुभव पर भरोसा किया जाए।

■ आज टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20

सूर्यवंशी को इंग्लैंड में सैमसन को जगह अंतिम एकादश में जगह दी गई थी लेकिन श्रृंखला के आखिरी मैच में 15 वर्ष के सूर्यवंशी की जगह सैमसन को उतारा गया। टी20 प्रारूप में सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी कामयाब रही है। उम्मीद है कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर जापान में होने वाले एशियाई खेलों की अंतिम एकादश तय करने से पहले सैमसन और सूर्यवंशी दोनों को बराबर मौके देंगे।

अभ्यास सत्र में सैमसन अधिक संतुलित

अभ्यास सत्र के दौरान सूर्यवंशी की तुलना में सैमसन अधिक संतुलित नजर आए। सूर्यवंशी को जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर सहज होकर खेलने में समय लगा क्योंकि पिच से भी बुमराह की गेंदों को मदद मिल रही थी। यह भी हो सकता है कि लगातार लाल गेंद के तीन मैच खेलने के बाद सूर्यवंशी को सामंजस्य बिठाने में समय लग रहा हो।

वैसे अफगानिस्तान के पास बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं है। अफगानिस्तान के गेंदबाजों के सामने सूर्यवंशी को फुटवर्क का इस्तेमाल नहीं करने पर भी दिक्कत नहीं आएगी।



सूर्यवंशी को लेकर हाइप बढी	टीमें इस प्रकार
सैमसन की बात करें तो तीन पारियों में नाकामी के बाद उन्हें इंग्लैंड दौरे से बाहर करना ज्यादाती था। लेकिन सूर्यवंशी को लेकर हाइप इतनी बढ गई थी कि टीम प्रबंधन ने जनता की मांग पर फैसला लिया भले ही बार-बार वे कहते हों कि बाहरी आवाज का असर नहीं होता। अगर इशान किशन नहीं खेल पाते हैं तो सूर्यवंशी और सैमसन दोनों को मौका मिल सकता है। इशान को नेट अभ्यास के दौरान कमर में चोट लगी थी।	भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, इशान किशन, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, चोशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई अफगानिस्तान : इब्राहिम जदरान (कप्तान), दारविश रसूली, नूर उल रहमान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेबिकुल्लाह अटल, अजमलुल्लाह उमरजझ, राशिद खान, मोहम्मद नबी, गुलबदिन नायब, नागेलिया खरोटे, जब्दुल्लाह अहमदजझ, फजलहक फारूकी, नवीगुल हक, मुर्ज़िबुर रहमान, नूर अहमद। मैच का समय : शाम 7.30 से

फाइनल में शेल्टन, आज ज्वेरेव से खिताबी भिड़ंत

यूएस ओपन : सेमीफाइनल में टियाफो को हराया

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन फ्रांसिस टियाफो को हराकर अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। स्थानीय खिलाड़ियों के बीच हुए इस मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा था। दोनों का हौसला बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक और कई मशहूर हस्तियां मौजूद थीं। दोनों पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे थे। रविवार को होने वाले फाइनल में दर्शकों का समर्थन लगभग पूरी तरह शेल्टन के पक्ष में रहने की उम्मीद है। अब वह लंबे समय से चले आ रहे अमेरिकी ग्रैंड स्लैम खिताब के सुखे को खत्म करने की सबसे बड़ी उम्मीद बन गए हैं।



अपना सब कुछ झोंकने जा रहा हूं : शेल्टन

शेल्टन ने कहा, 'मैं यहां अपना सब कुछ झोंकने जा रहा हूं और कोर्ट पर कुछ भी बाकी नहीं छोड़ूंगा। उम्मीद है कि आप सभी आकर मेरा समर्थन करेंगे। आइए, इसे अमेरिकी के लिए करते हैं।'

ज्वेरेव ने खाचानोव को हराया
ज्वेरेव ने पहले सेमीफाइनल में कारेन खाचानोव को 6-3, 7-6 (7), 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। टियाफो को तीसरी बार अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2024 में उन्हें हमवतन टेलर फ्रिट्ज ने, जबकि उससे पहले यानिक सिनर ने हराया था। टियाफो ने कहा, 'मैं गैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचना चाहता था। जाहिर तौर पर यह बहुत बड़ा मुकाबला था। उसकी सर्विस भी बेहद अच्छी रही, जिसने मेरे लिए मुकाबला काफी मुश्किल बना दिया। ज्वेरेव को लंबे समय तक ऐसे पुरुष खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता रहा, जिन्होंने गैंड स्लैम खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता था। इस साल फ्रेंच ओपन में आखिरकार उन्होंने यह इंतजार खत्म किया।
अमेरिका को पिछला खिताब 2003 में मिला था
आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने सेमीफाइनल में टियाफो को 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। अमेरिका को पुरुष एकल में पिछला ग्रैंड स्लैम खिताब 2003 में मिला था, जब एंडी रॉडिक ने फ्लशिंग मीडोज में अमेरिकी ओपन का खिताब जीता था।
अमेरिकी सपने को साकार नहीं होने दूंगा : ज्वेरेव
ज्वेरेव ने कहा, 'उम्मीद है कि रविवार को मैं अमेरिकी सपने को साकार नहीं होने दूंगा।'

खबर संक्षेप

नई दिल्ली। चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी और विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अनुरा दाम 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू हो रही तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सत्र में मेजबान रिकर्व टीम का हिस्सा होंगे। गत एशियाई चैंपियन धीरज बोम्पदेवरा समेत भारत के 36 सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज इसमें दस देशों के 12 अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ मुकाबला करेंगे। कंपाउंड वर्ग में कई बार विश्व कप जीत चुकी एशियाई खेल चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा के साथ पूर्व विश्व चैंपियन ओजस प्रवीण देवताले उतरेंगे। विदेशी खिलाड़ियों में तोक्यो ओलंपिक 2020 चैंपियन तुर्किये के मेटे गाजोज, पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक विजेता अमेरिका की कासे काउफहेल्ड, ब्राजील के अलमेइडा और दुनिया की दूसरे नंबर की तीरंदाज ब्रिटेन की एला गिब्सन शामिल हैं।

8 अक्टूबर से एपीएल हिस्सा लेगी दीपिका

नई दिल्ली। चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी और विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अनुरा दाम 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू हो रही तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सत्र में मेजबान रिकर्व टीम का हिस्सा होंगे। गत एशियाई चैंपियन धीरज बोम्पदेवरा समेत भारत के 36 सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज इसमें दस देशों के 12 अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ मुकाबला करेंगे। कंपाउंड वर्ग में कई बार विश्व कप जीत चुकी एशियाई खेल चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा के साथ पूर्व विश्व चैंपियन ओजस प्रवीण देवताले उतरेंगे। विदेशी खिलाड़ियों में तोक्यो ओलंपिक 2020 चैंपियन तुर्किये के मेटे गाजोज, पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक विजेता अमेरिका की कासे काउफहेल्ड, ब्राजील के अलमेइडा और दुनिया की दूसरे नंबर की तीरंदाज ब्रिटेन की एला गिब्सन शामिल हैं।

20 से 23 नवंबर तक एशियाई कैडेट कप

चेन्नई। उपमहाद्वीप के युवा तलवारबाजों के लिए एशियाई कैडेट कप 20 से 23 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में 30 से अधिक देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी, कोच, अधिकारी और तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे। टूर्नामेंट तीन वर्गों एपी, फाइनल और साबरे में आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन भारतीय तलवारबाजी संघ ने एशियाई तलवारबाजी परिषद के साथ मिलकर युवा कार्य और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण के साथ किया है। एफएआई महासचिव राजीव मेहता ने कहा, 'इससे एशिया के युवा तलवारबाजों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा और भविष्य में एशियाई खेलों, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा।'

जूनियर एशिया कप हॉकी : फाइनल में टीम इंडिया, सुप्रिया ने लगाई हैट्रिक

ग़त चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया

एजेसी ►► मोकी

ड्रैग फ्लिकर सुप्रिया के तीन गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सुप्रिया ने तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। भारत का सामना अब चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

दोनों टीमों ने संभलकर शुरुआत की लेकिन भारत ने 13वें मिनट में खाता खोला जब मधु सिद्ध ने शानदार फील्ड गोल पर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने कोरियाई गोल पर लगातार हमले बोले। भारत को 17वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने गोल करके बढ़त दुगुनी कर दी।



एशियाई खेलों में गोल्ड जीतना लक्ष्य : प्रणवी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स का मानना है कि भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक की मजबूत दावेदार है और इसके लिए जापान में निरंतर प्रदर्शन तथा अधिक से अधिक बर्डी के मौके बनाना अहम होगा।

भारत एशियाई खेलों में 6 सदस्यीय गोल्फ दल उतारेगा। महिला टीम में अदिति अशोक, दीक्षा डायर और प्रणवी उर्स शामिल हैं जबकि पुरुष वर्ग में युवराज संधू, वीर अहलावत और सप्तक तलवार देश का



प्रतिनिधित्व करेंगे। मैसूर की 23 वर्षीय प्रणवी ने कहा, 'मैं नतीजे के बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहती। मैं अपनी प्रक्रिया पर कायम रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी।' उन्होंने कहा कि गोल्फ आमतौर पर

व्यक्तिगत खेल है इसलिए देश और टीम के लिए खेलने का अनुभव उनके लिए खास होगा। प्रणवी ने कहा, 'गोल्फर के तौर पर हम ज्यादा टीम स्पर्धाएं नहीं खेलते। यह मुख्य रूप से व्यक्तिगत खेल है। इसलिए देश और टीम के लिए मैदान पर उतरना ऐसी चीज है, जिसका मैं इस साल बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अदिति और दीक्षा के टीम में होने से यह सप्ताह और भी अच्छा रहेगा।' भारत ने एशियाई खेलों में पिछली बार पुरुष वर्ग में 2002 में शिव कपूर के जरिए स्वर्ण पदक जीता था।

महिला एशिया कप : भारत की नजरें आठवें खिताब पर

एजेसी ►► दुबई

सात बार की चैंपियन भारतीय टीम की नजरें श्रीलंका के खिलाफ रविवार को महिला टी20 एशिया कप फाइनल में श्रीलंका को हराकर आठवीं बार खिताब जीतने पर लगी होंगी और इसके लिए शेफाली वर्मा के साथ दीपति शर्मा पर काफी दायरेमदार रहेगा। दो अर्धशतक समेत 168 रन बना चुकी शेफाली भारत की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज साबित हुई हैं और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन उन्होंने बनाए हैं। धीमी और स्पिनरों की मददगार दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर भी उन्होंने सहज बल्लेबाजी की है। स्मृति मंधाना (154) ने एक शानदार शतक



लगाया लेकिन दो मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सकी। शेफाली के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। शेफाली को अपने चिर परिचित स्ट्रोक्स खेलने में भी परेशानी नहीं आई जबकि दूसरे बल्लेबाज जूझते नजर आए हैं।

मैच का समय : रात 8 बजे

अमेरिकी ओपन जूनियर: सेमीफाइनल में हारी रेवती-एंटोनिना की जोड़ी

अमेरिकी जुड़वां बहनें अनिका और क्रिस्टीना पेनिकोवा जीतीं

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

भारत की माया राजेश्वरन रेवती और उनकी यूक्रेनी जोड़ीदार एंटोनिना सुष्कोवा का शानदार सफर अमेरिकी ओपन जूनियर बालिका युगल के सेमीफाइनल में मिली हार के साथ समाप्त हो गया।



माया और एंटोनिना की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी को अमेरिकी जुड़वां बहनों अनिका और क्रिस्टीना पेनिकोवा से 6-7(2),

2-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारत और यूक्रेन की इस जोड़ी ने हालांकि टूर्नामेंट में प्रभावशाली

प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक के सफर में कई वरीय खिलाड़ियों को हराया था।

पाकिस्तान को 8 विकेट से दी करारी शिकस्त

इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज की 3-0 से 'वलीन स्वीप'

एजेसी ►► बर्मिंघम

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ एजबेस्टन में खेले गए टेस्ट सीरीज के तीसरे और अंतिम मुकाबले को 8 विकेट से जीतकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। पाकिस्तान से मिले 130 रन के आसान टारगेट को मेजबान टीम ने मुकाबले के चौथे दिन 24.2 ओवरों में हासिल कर लिया। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम पहली पारी में 133 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि इस पारी में 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। सऊद शकील ने सर्वाधिक 43 रन बनाए, जबकि मोहम्मद अब्बास ने 21 रन का पारी खेली। इनके अलावा, रजाउल्लाह ने टीम के खाते में 11 रन का योगदान दिया। मेजबान खेमे से जोश टंग ने 42 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि ओली रॉबिन्सन और जोफ्रा आर्चर ने 3-3 विकेट चटकाए।



बूक और एमिलियो ने की 104 रन की साझेदारी

इसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 453 रन बनाकर 320 रन की शानदार बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड की टीम 39 रन तक 3 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद हैरी बूक ने एमिलियो के साथ चौथे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। इस पारी में हैरी बूक ने सर्वाधिक 75 रन बनाए, जबकि जेमी स्मिथ ने 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा, एमिलियो ने 60 रन और ओली रॉबिन्सन ने 50 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान के लिए रजाउल्लाह ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद अली और इमरान खान ने 2-2 विकेट चटकाए।

पाकिस्तान ने पिछली गलतियों से लिया सबक

पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में पिछली गलतियों से सबक लेते हुए 449 रन बनाए, मगर ये स्कोर मैच बचाने के लिए नाकामी था। मेहमान टीम ने शुरुआती 4 गेंदों में 2 विकेट खो दिए थे। उस समय तक खाता भी नहीं खुल सका था, लेकिन इसके बाद शान मसूद (95) ने अजान ओवैस (59) के साथ तीसरे विकेट के लिए 125 रन और कप्तान बाबर आजम (76) के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रन जोड़े। टीम को 318 के स्कोर पर आठवां झटका लगा, जिसके बाद मोहम्मद अब्बास (42) ने रजाउल्लाह (81) के साथ नौवें विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को 400 के पार पहुंचाया। इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले। ओली रॉबिन्सन, जोश टंग और डैन लॉरेंस ने 2-2 विकेट हासिल किए।

एशियाई खेलों में डेब्यू करेंगे करकेरा पदक के लिए लगाएंगे दम



एशियाई खेलों में पदार्पण करने जा रहे कार्तिक करकेरा आइची-नागोया में पुरुषों की मैराथन में अन्य तेज

धावकों से मिलने वाली चुनौती से बखूब वाकिफ हैं, लेकिन उनका मानना है कि उनके पास पदक जीतने का मौका है। करकेरा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 2 घंटे 13 मिनट 10 सेकेंड है।

उन्होंने स्वीकार किया कि जापान के युया योशिदा और इचिटाका यामाशिता काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं, जो 2 घंटे 6 मिनट से कम समय में मैराथन पूरी कर चुके हैं। करकेरा ने कहा, 'निश्चित रूप से उनका काफी दबदबा है और वे मैराथन में हिस्सा लेने वाले दोनों भारतीय धावकों से काफी तेज भी हैं।' एशियाई खेलों की मैराथन स्पर्धा में करकेरा और सावन बरवाल दो भारतीय हिस्सा लेंगे। इनमें से बरवाल ने इस साल 2 मिनट 11 मिनट 58 सेकेंड का समय निकाला था।





कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में है **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachhisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



नेशनल लोक अदालत में सुलझे 1.72 लाख से अधिक मामले, प्रदेश भर में 1427 पीठों के जरिए 964 करोड़ से अधिक की राशि का हुआ राजीनामा

जबलपुर। शनिवार को प्रदेश भर में वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।मुकदमों के बोझ को हल्का करने के साथ-साथ इस लोक अदालत ने सामाजिक समरसता और पारिवारिक रिश्तों को जोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। जबलपुर जिला न्यायालय परिसर में उस समय भावुक और हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण निर्मित हो गया, जब वर्षों से अलग रह रहे जोड़ों ने अपने मनमुटाव भुलाकर एक साथ जीवन बिताने का संकल्प लिया।

त्वरित व सुलभ न्याय की अनूठी मिसाल

नेशनल लोक अदालत में तहसील न्यायालयों से लेकर जिला न्यायालयों और उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जबलपुर सहित इंदौर व ग्वालियर खंडपीठों में त्वरित व सुलभ न्याय की अनूठी मिसाल देखने को मिली। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, पूरे प्रदेश में गठित 1427 पीठों के माध्यम से न्यायालयों में लंबित 61,580 प्रकरणों और 1,10,771 प्रीलिटिगेशन मामलों का सौहार्दपूर्ण निराकरण किया गया, जिसमें कुल 964.99 करोड़ (लगभग) की समझौता राशि पारित हुई।

वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत 1.72 लाख मामलों में हुआ राजीनामा

जबलपुर। मध्य प्रदेश में वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का शनिवार को सफल आयोजन हुआ। उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जबलपुर में इसका शुभारंभ जस्टिस विवेक अग्रवाल, जस्टिस विशाल धगट एवं जस्टिस अर्वािनंद कुमार सिंह की उपस्थिति में हुआ। यह आयोजन चीफ जस्टिस अल्पेश वाई. कोगजे तथा कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस विवेक



जबलपुर में करोड़ों के दावों और प्रकरणों का हुआ समाधान

जबलपुर जिले में मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावों के 1173 प्रकरणों में रिकॉर्ड 43.69.39.519 की अवाई राशि पारित की गई। धारा 138 (चेक बाउंस) के 316 प्रकरणों में 6.54.38.736 की समझौता राशि तय हुई। इसके अतिरिक्त, आपराधिक शमनीय प्रकृति के 494 प्रकरण, स्थित मामलों के 44, तथा विद्युत अधिनियम के अंतर्गत लंबित 160 प्रकरणों में 28.39.019 की वसूली हुई। साथ ही, ट्रैफिक चालान के 767 प्रकरणों में 1.98.800 की वसूली की गई। बैंक रिकवरी से जुड़े 296 प्रीलिटिगेशन मामलों का निराकरण कर 20.807 की समझौता राशि प्राप्त की गई।जिले में विवाह संबंधित कुल 98 मामलों का निराकरण किया गया।

सालों से अलग रह रहे दंपतियों ने भुलाई दूरियां

जबलपुर जिला न्यायालय में लोक अदालत के दौरान न्यायाधीश दीपा पॉल की अदालत में 6 वर्षों से वैवाहिक गतिरोध झेल रहे पति सोहन और पत्नी प्रीति को जब न्यायालयीन समझाइश, परिजनों के सहयोग और संवाद का अवसर मिला, तो उनके बीच का तनाव पल भर में छट गया। दोनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाकर, सुख-दुख में साथ निगाने का वचन दिया। इसी प्रकार धंतीबाई और उनके पति जितेंद्र (शेख तालिब) के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद न्यायाधीश रेणु खेंस की समझाइश से समाप्त हो गया। दोनों पक्षों ने पुराने मतभेदों को भुलाकर स्वेच्छा से पुनः वैवाहिक गृह लौटने और प्रेमपूर्वक जीवन व्यतीत करने का फैसला लिया।

वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत 1.72 लाख मामलों में हुआ राजीनामा



रूसिया के मार्गदर्शन में हुआ। प्रदेश भर में कुल 1427 पीठों (07 उच्च न्यायालय व 1420 जिला, तहसील) का गठन किया गया था। प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार, 61,580 लंबित प्रकरणों

25 सितंबर 2026 को देशभर के करीब 30 हजार स्थानों पर एक करोड़ लोगों द्वारा सामूहिक वंदेमातरम गायन किया जाएगा

जबलपुर। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के दूसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मा. कृष्णगोपाल जी ने ‘वंदेमातरम के 150 वर्ष’ एवं ‘संत रविदास’ पुस्तकों का विमोचन किया। राष्ट्रीय महामंत्री देशराज शर्मा ने बताया कि 25 सितंबर 2026 को देशभर के करीब 30 हजार स्थानों पर एक करोड़ लोगों के साथ सामूहिक वंदेमातरम गायन किया जाएगा।

अमृत महोत्सव में कार्य की गुणवत्ता बढ़ाएगी विद्या भारती



संत रविदास जयंती के 650 वर्ष पूर्ण होने पर विद्यालयों में सप्ताहभर विभिन्न आयोजन होंगे। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी मंथन हुआ। आगामी दो वर्षों में सभी विद्यालयों के डिजिटलीकरण, माध्यमिक स्तर पर कौशल शिक्षा तथा देशभर में 100 आदर्श

होटल गैंड रेजिडेंसी में बिजली चोरी पकड़ी, 10 लाख की रिकवरी

जबलपुर। शहर संभाग विजयनगर के एकता नगर फीउर क्षेत्र में विद्युत विभाग की चेकिंग टीम ने होटल ग्रैंड रेजिडेंसी में बिजली चोरी का मामला पकड़ा। जांच के दौरान मीटर में बाहरी तंत्र (शंट) लगाए जाने की पुष्टि हुई, जिससे बिजली की खपत को प्रभावित कर चोरी किए जाने की स्थिति सामने आई। विभाग ने मामले को भारतीय विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 135 के तहत दर्ज करते हुए मौके पर पंचनामा कार्रवाई की और करीब 10 लाख रुपए की रिकवरी निर्धारित की। कार्रवाई पूरी होने के बाद होटल का विद्युत कनेक्शन विच्छेदित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मीटर से छेड़छाड़ गंभीर अनियमितता है और ऐसे मामलों में वैधानिक कार्रवाई की जाती है। कार्रवाई के दौरान प्रबंधक आईटी अमित सिंह, कनिष्ठ अभियंता भरत भानेश तथा लाइन कर्मचारी दिनेश श्रीवास्तव और महेंद्र दुबे मौजूद रहे।

- काउंसिलिंग और मध्यस्थता के बाद बनी सहमति
- स्वजनों ने पढ़ाई जारी रखने का दिया भरोसा

हाईकोर्ट की पहल रंग लाई, माता-पिता के साथ जाने तैयार हुई युवती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट की पहल से बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में परिवार का विवाद सुलझ गया। पहले माता-पिता के साथ जाने से इंकार करने वाली युवती ने काउंसिलिंग और मध्यस्थता के बाद उनके साथ जाने की सहमति दे दी। माता-पिता ने भी न्यायालय के समक्ष बेटी की पढ़ाई आगे जारी रखने का आश्वासन दिया। इसके बाद कोर्ट ने याचिका का पटाक्षेप कर दिया।

कटनी निवासी पिता ने बेटी के लापता होने पर हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। उनका आरोप था कि बेटी के लापता होने में पांच निजी व्यक्तियों की भूमिका की जानकारी पुलिस को देने के बावजूद उसकी तलाश के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। हाईकोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने युवती को न्यायालय में पेश किया। उसने माता-पिता के साथ जाने से इंकार किया, जिसके बाद उसे कटनी



स्थित वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया। बंदी की सुनवाई में भी युवती अपने निर्णय पर कायम रही। युगलपीठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए युवती को माता-पिता के साथ तीन घंटे बातचीत करने का अवसर दिया। साथ ही सालसा के सचिव को मध्यस्थ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। काउंसिलिंग और मध्यस्थता के बाद युवती ने पढ़ाई जारी रखने की अनुमति के साथ माता-पिता के साथ जाने पर सहमति जताई। स्वजनों के आश्वासन के बाद कोर्ट ने प्रकरण समाप्त कर दिया।